जीवन दर्शन

तुम्हारा व्यव्हार ही है जो हमारी छवि दूसरों के मन में बनता है। इसके जरिये हम दुश्मनों को भी अपना बना सकते हैं - रोमन रोलां

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

गुरुवार 29 मई, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 107 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले ...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

देश में कोरोना के 1200 केस, अबतक 12 मौतें

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 1200 पहुंच गई है। महाराष्ट्र एक्टिव केसेज के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 325 मरीज हैं। इनमें से 316 मरीज सिर्फ मुंबई में हैं। इसके बाद केरल में सबसे ज्यादा 430 कोरोना पेशेंट हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र में 66, कर्नाटक में 36, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए मामले सामने आए हैं। नॉर्थ-ईस्ट में भी कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। अरुणाचल प्रदेश में मंगलवार को 2 महिलाएं कोरोना पॉजिटिव पाई गईं। इनमें एक को बुखार और हल्की खांसी है, जबकि दूसरी महिला में कोई लक्षण नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में मंगलवार को 78 साल के कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह राज्य में कोविड के नए वैरिएंट से पहली मौत है।

चंद्रबाबू नायडू के हाथों में फिर तेदेपा की कमान

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को सर्वसम्मति से अगले दो वर्षों के लिए तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) का राष्ट्रीय अध्यक्ष फिर से चुन लिया गया है। शपथ ग्रहण समारोह वाईएसआर कडप्पा जिले में पार्टी के वार्षिक तीन दिवसीय मेगा सम्मेलन महानाडु सभा के दूसरे दिन हुआ। टीडीपी के वरिष्ठ नेता और चुनाव समिति के अध्यक्ष वरला रामैया ने भारी भीड़ के सामने चुनाव परिणाम की घोषणा की और बाद में पार्टी समर्थकों की जोरदार जयकारों के बीच मुख्यमंत्री नायडू को पद की शपथ दिलाई। रामैया ने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, नारा चंद्रबाबू नायडू को अगले दो वर्षों के लिए टीडीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव के लिए एक समर्पित चुनाव कार्यालय स्थापित किया गया था और नायडू के नामांकन का समर्थन करने के लिए लगभग 600 पार्टी नेता आगे आए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखदेव सिंह ढींडसा का निधन

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखदेव सिंह ढींडसा का बुधवार शाम निधन हो गया। वे 89 वर्ष के थे और उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते मोहाली के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। ढींडसा निमोनिया और हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे, जो उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते और भी गंभीर हो गई थीं। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक उन्हें कार्डिएक एरिदमिया और हार्ट अरेस्ट के चलते बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों की पूरी टीम ने उन्हें बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वे जीवन की जंग हार गए। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक परिवार के एक सदस्य ने बताया कि उन्हें मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

किसानों को मिलेगी अब फसलों की ज्यादा कीमत

धान समेत 14 फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी

किसान क्रेडिट कार्ड पर कम ब्याज में मिलेगा लोन

नई दिल्ली ■

केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने आज यानी 28 मई को यह फैसला लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है।

कपास की नई एमएसपी 7,710 रुपए तय की गई है। इसकी एक दूसरी किस्म की नई एमएसपी 8,110 रुपए कर दी गई है, जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है। नई टरढ से सरकार पर 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। यह पिछले फसल सीजन की तुलना में 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एमएसपी फसल की लागत से कम से कम 50% ज्यादा हो, इस बात का ध्यान रखा गया है।

दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

कैबिनेट ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भारतीय रेलवे की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसके तहत रतलाम-नागदा के बीच तीसरी और चौथी लाइन डाली जाएगी। वहीं वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन टाली जाएगी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपए है और इन्हें 2029-30 तक पूरा किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश में बडवेल-नेल्लोर के बीच फोर-लेन हाईवे को मंजूरी

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश में बडवेल-नेल्लोर के बीच 108 किलोमीटर लंबे फोर-लेन हाईवे परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की लागत 3,653 करोड़ रुपए है। यह हाईवे आंध्र प्रदेश के कृष्णापटनम पोर्ट और नेशनल हाईवे-67 के एक हिस्से को जोड़ने का काम करेगा, जिससे पोर्ट कनेक्टिविटी बेहतर होगी। यह सड़क तीन प्रमुख इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के नोड्स को भी जोड़ती है- वीसीआईसी (कोप्पार्थी), एचबीआईसी (ओरवाकल) और सीबीआईसी (कृष्णापटनम)।

राष्ट्रपति शासन वाले मणिपुर में नई सरकार बनाने की तैयारी

8 भाजपा के, 44 विधायक के समर्थन का दावा

इम्फाल ■

मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, एनपीपी और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा विधायक थोकचोम राधेश्याम ने कहा, 'कांग्रेस को छोड़कर 44 विधायक मणिपुर में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं।

नई सरकार के गठन का विरोध करने वाला कोई नहीं है। मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत ने 44 विधायकों से मुलाकात की है।'

दूसरी तरफ, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत केंद्रीय नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली रवाना हो गए हैं। जल्द ही सरकार बनाने पर आलाकमान का फैसला आ सकता है। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 31 है। मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। 9 फरवरी को भाजपा सरकार का नेतृत्व करने वाले तत्कालीन सीएम एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। बीरेन सिंह पर राज्य में डेढ़ साल से ज्यादा समय तक चली हिंसा न रोक पाने के चलते काफी दबाव था। मणिपुर में कुकी-मैतेई के बीच 3 मई, 2023 से अब तक हिंसा हो रही है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। विपक्षी पार्टियां हिंसा के मुद्दे पर लगातार एनडीए से सवाल पूछ रही थीं।

मुंबई में तेज बारिश, राजस्थान में गर्मी-बारिश और धूलभरी आंधी

नई दिल्ली/रायपुर/भोपाल ■

देश के 17 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। बुधवार को मानसून समय से 12 दिन पहले छत्तीसगढ़ और 13 दिन पहले ओडिशा पहुंचा। दोनों राज्यों के कुछ जिलों में तेज बारिश हुई। महाराष्ट्र के मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ में आज भारी बारिश हो रही है। यहां बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बदलापुर, उल्हासनगर, कल्याण, डोंबिवली और ठाणे के अलग-अलग इलाकों में जलभराव हो गया है।

राजस्थान में मौसम का तीन रूप देखने को मिल रहे हैं। बूंदी जिले में तेज गर्मी पड़ रही है। यहां के गांव में वृद्ध महिला की मौत हुई। जांच में

हीटवेव से मौत की बात सामने आई। उदयपुर, चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा में बारिश जारी है। जैसलमेर में सुबह से रेत का गुबार (धूलभरी आंधी) है। मध्यप्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में मंगलवार को बारिश हुई। आज भी भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत 40 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश की चेतावनी है। कुछ जिलों में आंधी की रफ्तार 50 kmph तक हो सकती है। बिहार के 12 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट है।

एक हजार सीढ़ियां उतर कर खाई में गए थे इंदौर के दंपती, मेघालय की डीजीपी से मिले सांसद

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शादी के बाद इंदौर से हनीमून मनाने शिलांग गए इंदौर के दंपती का पांचवें दिन भी पता नहीं चला। बुधवार दोपहर बारिश थमने के बाद खोज अभियान शुरू हुआ। शिलांग के एसपी के नेतृत्व में बनी पुलिस की टीमें राजा रघुवंशी और सोनम को खोज रही हैं। सोनम और राजा एक हजार सीढ़ियां उतरकर खाई वाले हिस्से में घूमने गए थे। वह आदिवासी क्षेत्र है।

अब तक मिले सुरागों की कड़ियां हादसे के बजाए किसी वारदात की तरफ इशारा कर रही हैं। उधर, परिवार के लोगों ने दोनों का पता देने पर पांच लाख का इनाम रखा है। इस बीच, इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने मेघालय की डीजीपी इदाशिशा नोंगरांग से मुलाकात कर लापता दंपती को जल्द ढूंढने का आग्रह किया। अब तक हुई जांच में यह पता चला है कि खाई वाले हिस्से में एक स्थानीय दुकान से उन्होंने काफी लेकर पी थी और केला भी खाया था। दुकानदार ने भी दोनों की पहचान की और बताया कि कुछ देर रुकने के बाद वे चले गए थे।

परिजनों संग डीजीपी से मिले लालवानी

इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने लापता राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के परिजनों के साथ मेघालय की डीजीपी इदाशिशा नोंगरांग से चर्चा की। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ की टीम भी इंदौर के दंपती को खोज रही है। लालवानी त्रिपुरा के दौरे पर थे, उन्हें घटना का पता चला तो वे बुधवार सुबह मेघालय की राजधानी शिलांग पहुंचे। सांसद लालवानी ने डीजीपी से मुलाकात के बाद बताया कि खाई वाले हिस्से में आदिवासी रहते हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है, लेकिन नतीजा नहीं निकला। उन्होंने कहा कि लापता दंपती का किराए का स्कूटर, बैग और उनका नाश्ता करने की जगह काफी दूर-दूर है। उसकी कड़ियां जोड़कर दोनों के लापता होने की गुत्थी सुलझाई जा सकती है। ये भी हो सकता है कि लौटते समय उनके साथ कोई घटना हुई।

गाइड से भी पूछताछ

लालवानी ने बताया कि राजा ने एक गाइड की मदद ली थी। उसकी मदद से ही वे होम स्टे तक गए थे। बाद में गाइड ने उन्हें आसपास के स्पॉटों की जानकारी दी थी, लेकिन साथ नहीं गया। पुलिस उससे भी पूछताछ कर रही है। बता दें, इंदौर निवासी ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के लापता होने के मामला मुख्यमंत्री मोहन यादव तक पहुंचा है। उन्होंने इस मामले में चिंता जताते हुए मंगलवार को मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा से फोन पर चर्चा की थी। इसके बाद दंपती के तलाशी अभियान में बुधवार से तेजी नजर आई।

पूर्व सेबी चीफ माधबी बुच को मिली क्लीन चिट

नई दिल्ली। लोकपाल ने पूर्व सेबी चीफ माधबी पुरी बुच को भ्रष्टाचार के आरोपों से क्लीन चिट दे दी है। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व सेबी प्रमुख पर ये आरोप अपुष्ट और निराधार हैं। लोकपाल ने कहा कि पेश किया गया साक्ष्य और कानूनी सिद्धांतों के आधार पर है, शिकायतें योग्यता से रहित हैं और कोई अपराध या जांच का आधार स्थापित नहीं करती हैं। पूर्व सेबी प्रमुख पर हिंडनबर्ग ने कई गंभीर आरोप लगाए थे। जिसमें माधबी पुरी बुच और अडानी ग्रुप के बीच कनेक्शन बताया गया था। अब लोकपाल ने अपनी जांच रिपोर्ट में क्लिन चिट दे दी है। बता दें, माधबी पुरी बुच ने 2017 में सेबी को ज्वाइन किया था, और मार्च 2022 में उन्हें सेबी प्रमुख बनाया गया था।

गाजा में खाने के लिए भगदड़, 3 की मौत:46 घायल

राफा। गाजा के दक्षिणी शहर राफा में खाना लेने पहुंचे लोगों में भगदड़ मच गई। इससे 3 लोगों की मौके पर मौत हो गई, वहीं 46 घायल हो गए। इसके अलावा 7 लोग लापता भी हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह भगदड़ इजराइली सैनिकों के हवा में फायर करने के बाद बची। वहीं इजराइल सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई थीं। गाजा में लोगों को खाना मुहैया कराने के लिए फूड सेंटर शुरू किए जा रहे हैं।

भारत में बने कावेरी इंजन की रूस में फ्लाइंग टेस्टिंग, दूरी के स्टेल्थ ड्रोन में इस्तेमाल होगा

नई दिल्ली ■

भारत में बने कावेरी जेट इंजन की फ्लाइंग टेस्टिंग डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) रूस में कर रहा है। ये रियल सिचुएशन में इंजन की कैपेसिटी आंकने के लिए अहम है। अधिकारियों ने बताया इंजन पर करीब 25 घंटे का परीक्षण होना बाकी है। स्लॉट मिलने पर टेस्टिंग की जाएगी। इसकी कैपेसिटी शोकेस के लिए इसे एक लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) में लगाने का प्लान है।

शुरूआत में कावेरी इंजन को तेजस जैसे स्वदेशी एलसीए में

लगाने का प्लान था, लेकिन प्रोग्राम में देरी के चलते तेजस में अमेरिकी इंजन जीई-404 लगाया गया। इस इंजन को अब भारत में बने लंबी दूरी के घातक अनमैंड एयर व्हीकल यानी स्टेल्थ ड्रोन की पावर बढ़ाने के लिए फिर से तैयार किया जा रहा है।

एएमसीए के लिए पावरफुल इंजन बनाने की तैयारी

कावेरी 80 किलो न्यूटन वाला एक लो बाईपास, ट्विन स्पूल टर्बोफैन इंजन है। बेहतर मैनुअल कंट्रोल के लिए इसमें ट्विन-लेन फुल अथॉरिटी डिजिटल इंजन कंट्रोल सिस्टम लगाया गया है। हाई स्पीड और हाई टेम्प्रेचर के दौरान इंजन का पावर लॉस कम करने के लिए इसे फ्लैट-रेटेड डिजाइन किया गया है। इस तकनीक में इंजन की थ्रस्ट लिमिट उसके मैक्सिमम पॉइंट से कम पर फिक्स कर दी जाती है।

जम्मू कश्मीर समेत 6 राज्यों में मॉक ड्रिल स्थगित

नई दिल्ली ■

पाकिस्तान से सटे 6 राज्यों में गुरुवार को होने वाली मॉकड्रिल स्थगित कर दी गई है। इनमें जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और चंडीगढ़ शामिल थे। इसे ऑपरेशन शील्ड नाम दिया गया है। पंजाब में 3 जून को ड्रिल होगी। बाकी राज्य नई तारीखों का ऐलान जल्द करेंगे। इससे पहले 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल हुई थी। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी गई। यह इसलिए किया गया ताकि युद्ध की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में

हुई थी। तब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। यह मॉक ड्रिल युद्ध के दौरान हुई थी। दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है।

व्यंग्य : सिंदूर की कीमत : विपक्ष चुनाव में ही समझेगा..?

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

'तुम क्या जानो, एक चुटकी सिंदूर की कीमत ' कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों पर ये डायलॉग ' ऑपरेशन सिंदूर ' पर सवाल उठाने, फेल बताने व क्या मिला जैसे सवाल के कारण अभी तो फिट लग रहा है और इसकी कामयाबी के बाद यदि राज्यों के आगामी चुनाव में बीजेपी को लाभ मिलता है तो निश्चित ही विपक्षी दलों को सिंदूर की असल कीमत का अंदाज स्वत: हो जाएगा..?

ऑपरेशन सिंदूर पर मोदी के राष्ट्रवाद से पाक के साथ विपक्षी दल भी बैचेन..!

शीर्षक में सवाल इसलिए है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी विभिन्न राज्यों के अपने दौरों में ' ऑपरेशन सिंदूर ' के सहारे राष्ट्रवाद का मुद्दा प्रमुखता से उठा रहे हैं. मोदी के विभिन्न बयानों से ही पता चलता है कि ये लोगों के दिलों को जीतने की कोशिश है.12 मई को दिल्ली में मोदी बोले थे कि जिन आतंकियों ने हमारी मां-बहनों का सिंदूर मिटाया, हमने उन्हें मिटा दिया.13 मई को आदमपुर एयरबेस में बोले थे,हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे.22 मई को बीकानेर में बोले अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा है एवं 26 मई को दाहोद में बोले कि आतंकवादियों ने जो कुछ भी किया, क्या भारत चुप बैठ सकता है.? क्या मोदी चुप बैठ सकता है.?और इसी दिन भुज में सीना तानकर बोले कि बिहार की जनसभा में, मैंने घोषणा की थी, मैं आतंकवाद के ठिकानों को मिट्टी में मिला दूंगा.ऐसे जोशीले बयानों से स्पष्ट है कि विभिन्न राज्यों के चुनाव में माहौल बीजेपी के पक्ष में करने की बेहतर कोशिश है और ऑपरेशन सिंदूर को फेल, इससे क्या मिला व अनेक सवाल उठाने वाले कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को मात मिल सकती है, क्योंकि लोगों को यह मंजूर नहीं है कि ऑपरेशन सिंदूर पर नकारात्मक सवाल उठाए जाएं.

उल्लेखनीय है कि 2025 में इसी साल बिहार में जबकि 2026 में पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल में एवं 2027 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर, गोवा, गुजरात में चुनाव होंगे.इन 13 राज्यों में 7 में अभी एनडीए की सरकार है. लोकसभा सीटों के हिसाब से इन राज्यों में 288 में से 135 सीटें एनडीए के पास हैं.बीजेपी की पूरी कोशिश रहेगी 7 राज्यों में एनडीए की वापसी हो एवं अन्य राज्य भी बढ़े एवं लोकसभा की 135 सीटों में भी वृद्धि हो. खैर क्या होगा, यह सब कुछ तो चुनाव के समय में पता चलेगा, लेकिन मोदी का राष्ट्रवाद विपक्षी दलों पर भविष्य में भारी पड़ने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के रिजल्ट अच्छे आ रहे हैं, 28 मई को ही ताजा खबर से पता चला कि पाकिस्तान ने खुद दो बार सीजफायर के लिए बोला था और 160 आतंकी मारे जाने का नया आंकड़ा भी सामने आ गया है..?

मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की गिरफ्तारी पर 'सुप्रीम' रोक बढ़ी

नई दिल्ली ■

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को दी गई राहत बढ़ा दी है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट ने कार्यवाही बंद करने को कहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट खुद मामले पर सुनवाई कर रहा है। दरअसल, विजय शाह ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में मीडिया को जानकारी देने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी। मामले में

उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इसे लेकर विजय शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, जहां कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी।

आज हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भाजपा नेता कुंवर विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक के अपने अंतरिम आदेश को आगे बढ़ा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के सामने लंबित कार्यवाही को भी बंद कर दिया, क्योंकि शीर्ष अदालत इस मामले पर विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने डीआईजी पुलिस द्वारा प्रस्तुत स्थिति रिपोर्ट पर गौर किया, जिसमें कहा गया है कि तीन आईपीएस अधिकारियों की एसआईटी गठित की गई थी। 21 मई को जांच शुरू हुई थी। एसआईटी रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिक दस्तावेज एकत्र किए गए हैं। गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। जांच अभी प्रारंभिक चरण में है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री निवास पर होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर लोकतंत्र सेनानियों ने की चर्चा, गिरीश शर्मा आदित्य को सम्मानित किया

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। जावरा कम्पाउंड स्थित दीनदयाल भवन, भाजपा कार्यालय पर लोकतंत्र सेनानी एवं प्रहरी संघ की बैठक आयोजित की गई। जिसमें आगामी 26 जून को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भोपाल निवास पर होने वाले राज्य के मीसाबंधुओं एवं आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार की प्रताड़नाओं के शिकार बने लोकतंत्र सेनानियों के कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में शहर के प्रख्यात मुद्रा शास्त्री एवं लोकतंत्र सेनानी संघ के जिलाध्यक्ष गिरीश शर्मा 'आदित्य' का सम्मान भी किया गया। गौरतलब रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले वर्ष भी 26 जून कोअपने निवास पर राज्य के प्रमुख लोकतंत्र सेनानियों, मीसाबंदियों को आमंत्रित कर उनका सम्मान भी किया था और अनेक घोषणाएं भी की थी। अब इस वर्ष भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवास पर 26 जून को ही लोकतंत्र सेनानी एवं प्रहरी संघ का कार्यक्रम प्रस्तावित है। बैठक में सभी सदस्यों ने आपातकाल की याद दिलाने वाले इस कार्यक्रम की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष गणेश अग्रवाल, वरिष्ठ सेनानी गोपालदास अग्रवाल एवं अन्य साथियों ने भी अपने सुझाव दिए। इस दौरान अलकेश शर्मा, हरिनारायण पाटीदार, बद्रीलाल, विपिन शेखावत, एवं संघ के अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार रखे। बैठक में ग्रामीण एवं इंदौर महानगर के गणमान्य सहयोगी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री निवास पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर लोकतंत्र सेनानी उत्साहित नजर आये।

ड्रिंक एंड ड्राइव में जप्त कार से थाने में गायब हुआ टायर, वाहन मालिक हैरान

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। लसूड़िया थाना क्षेत्र में ड्रिंक एंड ड्राइव के तहत जप्त की गई एक कार से टायर गायब होने का मामला सामने आया है। कार मालिक जब चालान भरने के बाद वाहन लेने थाने पहुंचा, तो उसने पाया कि गाड़ी का एक टायर नदारद है। घटना शनिवार रात की बताई जा रही है, जब योगेश नामक चालक को ड्रिंक एंड ड्राइव के केस में पकड़ा गया था। पुलिस ने कार को जप्त कर लसूड़िया थाने में खड़ा करवा दिया था। सोमवार को जब कार मालिक चालान जमा कर वाहन लेने पहुंचे, तो टायर गायब मिला। मामले की जानकारी देते हुए एडवोकेट लाडली गुप्ता, जो कि एक इंटर्न लॉयर हैं, ने बताया कि वाहन मालिक ने तुरंत इस संबंध में शिकायत दर्ज करवाई है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि टायर थाने से कैसे और कब गायब हुआ। कार मालिक ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

कलेक्टर सिंह ने किया स्ट्रांगरूम का निरीक्षण

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह ने आज बुधवार को कलेक्टर कार्यालय के सामने स्थित निर्वाचन भवन में स्ट्रांगरूम की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र रघुवंशी, श्री मनोहर मेहता सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

रोजगार मेला दो जून को, निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में 500 युवाओं को मिलेगी नौकरी

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। राज्य निदेर्शानुसार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी दिलाने के लिये इंदौर जिले में लगातार रोजगार मेले आयोजित किये जा रहे है। इसी सिलसिले में आगामी 02 जून 2025, सोमवार को प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, नंदानगर, इंदौर में रोजगार मेला आयोजित होगा। इसमें निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में 500 युवाओं को नौकरी मिलेगी। यह संयुक्त रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था एवं जिला उद्योग केन्द्र, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि रोजगार मेले में बालाजी वेपर्स, रूपरंग स्टोर्स, श्याम टाटा मोटर्स, शैफाली बिजनेस, मेडपप्स, बी-एबल जैसी प्रतिष्ठित कंपनियाँ लगभग 500 रिक्त पदों के लिए प्रारंभिक चयन करेंगी। कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा आवेदकों का साक्षात्कार लेकर पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। मेले में 18 से 40 वर्ष की आयु के ऐसे युवा भाग ले सकते हैं, जिन्होंने हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर तक की शिक्षा या तकनीकी योग्यता (जैसे आईटीआई) प्राप्त की हो। आवेदकों को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार हेतु ऋण प्रक्रिया की जानकारी एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, बायोडेटा की प्रतियाँ, आधार कार्ड एवं अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियाँ साथ लेकर आएं।

कांग्रेस अब जांच-परखकर बनाएगी पदाधिकारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश में कांग्रेस संगठनात्मक मजबूती के लिए जिम्मेदारियों को तय करने को लेकर एक के बाद एक बड़े बदलाव कर रही है। दरअसल, कांग्रेस में अंदरूनी खेमों की - सियासत, परिवारवाद के साथ - पठ्ठावाद के कई आरोप लगते रहे - हैं। अक्सर ऐसे मामलों में असंतुष्ट नेताओं का हंगामा और पार्टी के खिलाफ विरोधाभास भी खुलकर सामने आते हैं।

अब पार्टी अपनी छवि सुधार के लिए इंटरव्यू पैटर्न का तरीका अपनाएगी। इसकी शुरूआत भी जिला अध्यक्षों की नियुक्ति से होगी। नई व्यवस्था के चलते पारदर्शिता के लिए केंद्रीय संगठन से एक टीम प्रत्येक जिले में भेजेगा। टीम सभी जिलों में पार्टी कार्यकताओं से लेकर लोगों से संबंधित दावेदार की फीडबैक लेगी। जरूरी नहीं कि सिर्फ दावेदार को ही जिला अध्यक्ष की कमान सौंपी जाए, टीम अपने स्तर पर ही पार्टी विचारधारा के कार्यकर्ता का चुनाव कर सकेगी।

छवि सुधार के लिए इंटरव्यू पैटर्न का तरीका अपनाएगी पार्टी

जमीनी स्तर पर काम शुरू

मप्र कांग्रेस कमेटी ने पिछली हार से सबक लेते हुए चुनाव से साढ़े तीन साल पहले ही जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बनाए पायलट प्रोजेक्ट पर सबसे पहले मप्र में काम शुरू हुआ है।

इसमें ब्लॉक कमेटी की तर्ज पर पंचायत और मोहल्ला कमेटियों का गठन, बूथ लेवल पर टीम बनाना, कांग्रेस के पुराने और कोर कार्यकताओं से घर जाकर संपर्क करना, और वोटर लिस्ट का रिव्यू करना शामिल है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने इसके लिए चुनाव के लिहाज से सबसे मुश्किल जिला विदिशा को चुना है, जहां लगातार भाजपा जीतती रही है। यहां बीते तीन दिन से संगठन महामंत्री संजय कामले ने 150 कार्यकताओं के साथ डेरा डाला हुआ है। इसके पहले दिग्विजय सिंह सरकार में संगठन प्रभारी महेश जोशी ने इसी प्रकार फील्ड में काम किया था। विदिशा जिले में जो 150 कार्यकर्ता अभी काम कर रहे हैं, उनमें से 75 कार्यकर्ता पूरे प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए हैं। इनमें 20 महिलाएं भी शामिल हैं। अब तक इस टीम ने जिले की चार विधानसभा-विदिशा, शमसाबाद, सिरोंज और कुरवाई में काम शुरू कर दिया है। अब केवल बासौदा विधानसभा बची है। प्रोजेक्ट को लेकर संगठन महामंत्री कामले ने बताया कि इस जिले में काम पूरा करने के बाद हम इसका रिव्यू करेंगे।

जिलाध्यक्ष पद के लिए देना होगा इंटरव्यू

ऐसे नामों का सूची टीप लगाकर केंद्रीय संगठन को भेजी जाएगी। इसके बाद संबंधित दावेदार को कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। तब साक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरना होगा। प्रदेश प्रभारी, केंद्रीय पैनल के सामने जिलाध्यक्ष पद के लिए इंटरव्यू देना होगा। फिर नाम पर प्रदेश संगठन का अभिमत लिया जाएगा और नियुक्ति का अंतिम अधिकार एआईसीसी को होगा। अगले माह जून से प्रदेश के सभी जिलों में एआईसीसी की टीम इस प्रक्रिया में जुटेगी।

टीम में होंगे अनुभवी नेता

इस टीम में अनुभवी नेताओं को रखा जाएगा। जिन्हें जिलों में संबंधित दावेदार की पकड़, संगठन में तालमेल के साथ जातिगत समीकरणों का तगड़ा अनुभव होगी। जिलों में दौरे के बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बैठकों के दौर भी शुरू होगा। संगठन की मजबूती के लिए हर तरह के कदम बढ़ाए जा रहे हैं। कई प्लानिंग पर अमल किया जा रहा है। कांग्रेस में उसी की जिम्मेदारी मिलेगी जो काबिल होगा।

प्राथमिक दुग्ध उत्पादक एवं मत्स्य सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय बनाया जायेगा

इंदौर। राज्य शासन द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार इंदौर जिले की ग्राम पंचायतों में स्थापित प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं, प्राथमिक दुग्ध उत्पादक एवं मत्स्य सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय बनाया जायेगा। जिले की सभी ग्राम पंचायतो में इस तरह की सहकारी समितियां गतित होंगी। जिले में इस तरह की वर्तमान में 140 समितियां कार्यरत है। शेष ग्राम पंचायतों में भी चरणबद्ध रूप से उक्त समितियों का गठन किया जायेगा। इस वर्ष जिले में 10 ग्राम पंचायतों में इस तरह की समितियों के गठन का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा ली गई जिला सहकारी विकास समिति की बैठक में दी गई।

परदेशीपुरा में बन रहा 600 करोड़ का आईटी पार्क अक्टूबर से शुरू होगी कंपनियों को जगह आवंटन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के परदेशीपुरा रेडिमेड-इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स में बन रहे नए आईटी पार्क में एमपीआईडीसी (मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम) अक्टूबर माह से आईटी कंपनियों को उनके प्रोजेक्ट या ऑफिस के लिए जगह आवंटित करना शुरू कर देगा। इस सुविधा से आईटी कंपनियां आवंटित जमीन पर अपनी सुविधा और डिजाइन के अनुसार स्ट्रक्चर तैयार कर सकेंगी। एमपीआईडीसी के ईडी हिमांशु प्रजापति ने इस सप्ताह परदेशीपुरा का दौरा कर आईटी पार्क और प्लग-एन-प्ले रेडिमेड गारमेंट्स पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 तक इस आईटी पार्क का निर्माण पूरा हो जाएगा, और कंपनियां नए साल तक यहां अपने प्रोजेक्ट शुरू कर सकेंगी।

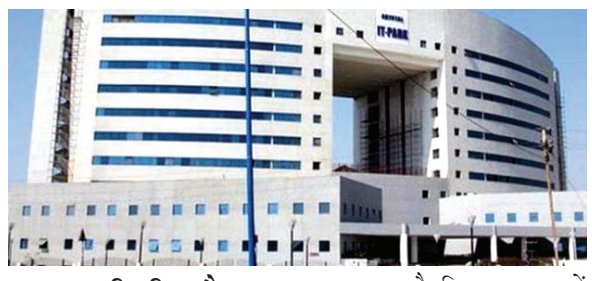

तकनीकी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा

इंदौर में एमपीआईडीसी द्वारा दो नए आईटी पार्क बनाए जा रहे हैं। इनमें से एक है क्रिस्टल और अतुल्य आईटी पार्क, जो खण्डवा रोड पर स्थित है और इसे आईटी पार्क-3 नाम दिया गया है। वहीं, परदेशीपुरा के रेडिमेड इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स में जो नया आईटी पार्क बनाया जा रहा है, उसे आईटी पार्क-4 नाम दिया गया है। इस नामकरण के पीछे यह कारण है कि यह शहर में विकसित हो रहे आईटी हब का चौथा प्रमुख प्रोजेक्ट है, जो तकनीकी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा।

600 करोड़ रुपए के निवेश से होगा आईटी पार्क-4 का निर्माण

आईटी पार्क-4 की कुल लागत लगभग 46 करोड़ 74 लाख रुपए है, जो 0.37 हेक्टेयर जमीन पर फैला है। इस पार्क का निर्माण 15,471 वर्ग मीटर क्षेत्र में किया जा रहा है। एमपीआईडीसी के अनुसार, इस परियोजना में कुल 600 करोड़ रुपए का निवेश होगा। यह निवेश न केवल आईटी सेक्टर को सशक्त करेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी मजबूती लाएगा।

1500 युवाओं को मिलेगा रोजगार

नए आईटी पार्क-4 में करीब 1500 युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। एमपीआईडीसी का लक्ष्य है कि इस पार्क के माध्यम से युवाओं को उच्च तकनीकी क्षेत्र में रोजगार मिले और शहर में आईटी सेक्टर का विकास हो। इस प्रकार, परदेशीपुरा में यह आईटी पार्क न केवल औद्योगिक विकास में सहायक होगा, बल्कि रोजगार सृजन के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

दूसरे दिन भी लगातार बारिश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में नौतपा में लगातार बारिश हो रही है। मंगलवार रात 12 बजे के बाद कई क्षेत्रों में आंधी बारिश शुरू हुई और बुधवार सुबह तक बारिश का दौर चलता रहा। दो दिन से लगातार बारिश के बाद तापमान में तेजी से कमी आई है। इस अप्रत्याशित मौसम परिवर्तन से शहरभर में कई जगह पेड़ गिरने की भी घटनाएं हुई हैं। मंगलवार रात और बुधवार सुबह बारिश के बाद इंदौर में तापमान में भी गिरावट आई और पारा 2.5 डिग्री गिरकर 33.1 पर आ गया। रात का पारा 6.6 डिग्री गिरा और 20.0 पर आ गया।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों में और तेज बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। प्रदेश के 47 जिलों में अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें इंदौर भी शामिल है। नागरिकों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की गई है। आज, बुधवार, 28 मई को इंदौर में अधिकतम तापमान 37°C और न्यूनतम तापमान 25°C रहने की संभावना है। आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, और शाम के समय फिर से बारिश की संभावना है। हवा की गति 20 किमी/घंटा और आर्द्रता 60% तक रह सकती है।

प्रशासन अलर्ट हुआ

प्रशासन ने जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए नालों की सफाई और पेड़ों की छंटाई के निर्देश दिए हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे घरों से बाहर निकलते समय सतर्क रहें और बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून इस साल 15 जून से पहले मध्य प्रदेश में दस्तक दे सकता है, जिससे और अधिक बारिश की संभावना है।

कलेक्टर ने 100 रुपये व उससे अधिक की अचल संपत्ति की नोटरी किए जाने पर लगाया प्रतिबंध

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

विधिक प्रावधानों एवं शासकीय निदेर्शों का पालन कराने हेतु इन्दौर जिले की राजस्व सीमा अन्तर्गत 100 रुपये व उससे अधिक की अचल सम्पत्ति की नोटरी किये जाने से जन-सामान्य को उत्पन्न होने वाली परेशानियों की रोकथाम एवं अवांछनीय गतिविधियों के निवारण के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आशीष सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163(1)(2) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं।

जारी आदेश के अनुसार इन्दौर जिले में 100 रुपये व उससे अधिक की अचल सम्पत्ति की नोटरी किये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। यदि किसी नोटरी द्वारा ऐसा कृत्य किया जाता है तो उसके विरुद्ध भारतीय

न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कार्यवाही करने के साथ ही नोटरी लायसेंस को निरस्त करने की कार्यवाही की अनुशंसा की जायेगी तथा अन्य वैधानिक कार्यवाही भी की जायेगी। सभी वरिष्ठ जिला पंजीयक, जिला पंजीयक, वरिष्ठ उप पंजीयक, उप पंजीयक, जिला इन्दौर अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालिक दण्डाधिकारी, पुलिस के थाना प्रभारी, पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारी, उक्त आदेश का पालन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। जो भी व्यक्ति अथवा संगठन उक्त आदेश का उल्लंघन करेगा, उसके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के दण्डात्मक प्रावधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश दिनांक 28 मई 2025 से 25 जुलाई 2025 तक की अवधि में प्रभावशील रहेगा। प्रायः यह देखने में आता है कि कुछ लोगों द्वारा अचल सम्पत्ति को रजिस्ट्री के आधार पर क्रय-विक्रय न करते हुए नोटरी के आधार पर क्रय-विक्रय कर लिया जाता है। इस प्रकार के छल-कपट में भोली-भाली जनता, जिन्हें नियम कानूनों का ज्ञान नहीं है फंस जाते है, धोखाधड़ी का शिकार होते है तथा बाद में परेशानी उठाते है। इस प्रकार के नोटरी के आधार पर पंजीकृत दस्तावेजों का कोई कानून अस्तित्व नहीं होने से अनावश्यक कठिनाईयां पैदा होती है।

सट्टा संचालित करने वाली अंतराज्यीय गैंग के फरार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर में ऑनलाइन जुआ, सट्टा एवं अवैधानिक गतिविधियां संचालित करने वाले आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निदेर्शों के अनुक्रम में क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की टीमों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही हैं।

इसी अनुक्रम मे क्राइम ब्रांच टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि संयोगितागंज क्षेत्र के ऊषागंज स्थित फ्लैट के सेकेंड फ्लोर में ऑनलाइन गेमिंग का सट्टा संचालित किया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर के द्वारा बताए स्थान पर दबिश देते उक्त स्थान में कुछ व्यक्तियो जो की लैपटॉप एवं मोबाईल के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे, पुलिस टीम द्वारा आरोपी (1). हिमांशू खण्डेलवाल , (2). रविन्द्र गौतम (3). विवेक कुमार (4). अमित कुमार मण्डल (5). कृष्णा कुमार (6). कन्हैया पाण्डे को पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके द्वारा Link के माध्यम वरुण आनलाईन हब बेवसाइट पर रुपयो पैसो से (हार-जीत) का दाव लगाकर सट्टा खिलवाया जाता था, एवं आरोपियों ने बताया कि जिन ग्राहकों को सट्टा लगाना रहता था उनसे पेमेंट अलग-अलग बैंक खातों में प्राप्त करके उन्हें Link भेजकर वरुण आनलाईन हब वेबसाईट की आईडी एवं पासवर्ड ग्राहकों को देते है एवं उस आईडी पर जितने रुपये उक्त व्यक्ति ने जमा किये हैं उसके पाईंट उनको उस आईडी पर देते है। जिसके बाद उक्त व्यक्ति वरुण आनलाईन हब वेबसाईट में उपलब्ध (24*7) गेम खोलकर हारझजीत का दाव लगाकर सट्टा खेलता था। आरोपियों के कब्जे से 29 मोबाइल,01 कंप्यूटर, 02 लैपटॉप,7 चेकबुक, 04 पासबुक, एटीएम कार्ड्स, नगदी एवं ऑनलाइन सट्टे के हिसाब किताब का करोड़ों रुपए का लेखा जोखा जप्त करके, आरोपियों के विरुद्ध थाना अपराध शाखा जिला इंदौर में गेमलिंग एक्ट के साथ विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया था।

सोचें सफल लोगों की तरह...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

दोस्तों, इस दुनिया का हर इंसान अपने जीवन में सफल होना चाहता है, लेकिन हो नहीं पाता है। मेरी नजर में इसकी एक मुख्य वजह अपने नकारात्मक अतीत को छोड़ ना पाना है। जी हाँ सही सुना आपने, कई बार इंसान पुरानी गलती, टूटे रिश्ते, कठिन समय या किसी असफलता की वजह से मिले नकारात्मक अनुभव से इतना बंध जाता है कि वो आत्म-विकास याने सेल्फ डेवलपमेंट के लिए आवश्यक कदम ही नहीं उठा पाता है। लेकिन इस दुनिया में कुछ लोग इसके ठीक विपरीत होते हैं। वे जीवन में मिले तमाम नकारात्मक अनुभवों से ऊपर उठकर असाधारण उपलब्धियाँ हासिल करते हैं। जानते हैं क्यों? क्योंकि उनकी सोच; उनका माइंडसेट अलग होता है। वे जीवन में मिले नकारात्मक अनुभवों से ऊपर उठकर, अपने जीवन की सकारात्मक पिक्चर देख पाते हैं। आइए आज हम सफल लोगों द्वारा अपने जीवन में अपनाए जाने वाले ऐसे 9 सोचने के तरीके सीखते हैं, जो हमारी ज़िंदगी में बड़ा बदलाव ला सकते हैं-

1) अतीत की गलतियों को अपने ऊपर हावी न होने दें- जीवन में गलतियाँ होना, रिश्ते टूटना, असफल होना सामान्य है। हर इंसान ग़लतियाँ करता है और कभी ना कभी इस तरह के नकारात्मक अनुभवों से गुजरता है। लेकिन उन ग़लतियों के विषय में सोचकर वह बार-बार खुद को दोषी नहीं ठहराता है। वह जानता है कि बार-बार खुद को दोषी मानना, आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा कर जीवन में आगे नहीं बढ़ने देता है। इसलिए सफल लोग सबसे पहले अपनी सोच बदलते हैं और कठिनाइयों या असफलता के अनुभवों को तोड़ने का नहीं, बल्कि खुद को तराशने का अवसर मानते हैं और जीवन में मिली हर हार या अनुभव से सीखते हैं और जीवन में आगे बढ़ते हैं। इसलिए जो हो गया, उसे स्वीकार करें और खुद को माफ करें, सीखें और जीवन में आगे बढ़ें।

2) अपने अतीत को शोक पूर्वक विदा दें- कई बार इंसान अपने कार्य, अपने लक्ष्य, अपने रिश्तों से ज़्यादा किसी भी वजह से पूर्व में मिले चंद नकारात्मक अनुभवों से जुड़ जाता है, जो अंततः उन्हें अंदर तक तोड़ देता है। जीवन रुकने का नहीं, चलते रहने याने आगे बढ़ते रहने का नाम है। जिस तरह आप किसी अपने की मृत्यु के बाद उसे शोक पूर्वक विदा कर जीवन में आगे बढ़ते हैं, ठीक वैसे ही बीते हुए समय को भी अलविदा कहना जरूरी होता है। अपने मन को नकारात्मक भावनाओं से मुक्त होने का समय दें।

3) अपने अतीत से मिली सीख को पहचानें- अतीत कोई बोझ नहीं, बल्कि एक शिक्षक होता है। जो कुछ भी आपने अनुभव किया है, वह आपको मजबूत और समझदार बनाने के लिए हुआ है। सोचिए कि उन अनुभवों से आपने क्या सीखा और कैसे वे आपकी आज की समझ को गहरा बनाते हैं। याद रखियेगा, हर हार एक सीख होती है, अगर आप तैयार हों तो।

4) हमेशा याद रखें, आप फिर से शुरू कर सकते हैं- नकारात्मक परिणाम के बाद भी ईश्वर ने आपको एक नई सुबह देखने का मौका दिया है, इसका एक ही अर्थ है, ईश्वर आपसे कुछ नया और कुछ बड़ा करवाना चाहता है। जिस लक्ष्य के लिए उसने आपको इस दुनिया में भेजा है अभी वो पूरा नहीं हुआ है, इसलिए अपने उद्देश्य को पहचानें और खुद को याद दिलवायें कि पिछली बार भी आपने ही शून्य से शुरू कर, सब कुछ पाया था। इसलिए अपने अतीत को अंत मान, हर नए दिन को ईश्वर का दिया अगला और नया अवसर मानें और जीवन की दिशा को बदलें। याद रखियेगा, अतीत का अंत, भविष्य की एक नई शुरुआत बन सकता है।

5) जीवन में मिली चुनौतियों की वजह से आज आप जहाँ हैं, वहाँ- विपरीत परिस्थितियों, चुनौतियों और कठिनाइयों का सामना करने से मिले अनुभवों ने ही आपके चरित्र, धैर्य और साहस को आकार दिया है। इसलिए तमाम तरह के नकारात्मक अनुभवों को आत्म-विकास का आधार मान स्वीकारें और आगे बढ़ें।

6) वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करें- याद रखें, अतीत बीत गया है और भविष्य अभी आया नहीं है इसलिए वर्तमान रूपी जो समय आपके हाथ में है, उसका सर्वोत्तम उपयोग करें और आगे बढ़ें। जब आप 'वर्तमान' में जीने लगते हैं, तब आप सच्चे अर्थों में स्वतंत्र होते हैं। इसलिए खुद को 'वर्तमान' में पूरी तरह शामिल कीजिए और छोटे-छोटे कामों में खुशी ढूंढिए।

निष्कर्ष- अतीत को पकड़कर आप जीवन में आगे नहीं बढ़ सकते हैं। इसलिए अतीत से जीवन को बेहतर बनाने वाली सीख लेकर सम्मानपूर्वक विदा करें और खुद को सफल बनाने वाले रास्ते पर आगे बढ़ें। यही याने अतीत से सीखना और फिर उसे छोड़ देना ही आत्म विकास का पहला कदम होता है। याद रखियेगा, आप अपने जीवन के लेखक हैं। अतीत को बदला नहीं जा सकता, पर आगे की कहानी आप खुद नए तरीके से लिख सकते है।

पलक शर्मा ने पानी से पन्नों तक लिखी स्वर्णिम गाथा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जब इंदौर की छोटी सी बालिका ने पहली बार स्विमिंग पूल में छलांग लगाई थी, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यही छलांग एक दिन राष्ट्रीय खेलों के मंच पर स्वर्ण पदक में बदलेगी। लेकिन जुनून, समर्पण और कड़ी मेहनत से लिखी गई यह कहानी आज पूरे देश के लिए प्रेरणा बन चुकी है।

पलक शर्मा, इंदौर की रहने वाली एक साधारण परिवार की असाधारण बेटी हैं। उन्होंने महज 8 साल की उम्र में गोताखोरी (डाइविंग) से जुड़कर जल की लहरों को अपना मित्र बना लिया। तब से अब तक पलक ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। सिर्फ 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने पहली बार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पदक जीतकर यह जता दिया कि वे असाधारण प्रतिभा की धनी हैं। उनकी इस यात्रा में उनके कोच श्री रमेश व्यास की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उन्होंने पलक को न सिर्फ तकनीकी प्रशिक्षण दिया, बल्कि मानसिक मजबूती और अनुशासन का भी पाठ पढ़ाया। दोनों की मेहनत रंग लाई और आज पलक एक ऐसी एथलीट बन चुकी हैं जो देश-विदेश में मध्यप्रदेश और भारत का नाम रोशन कर रही हैं। वर्ष 2025 की शुरूआत में उत्तराखंड में आयोजित 38वीं राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में पलक शर्मा ने हाई बोर्ड और एक मीटर गोताखोरी में स्वर्ण पदक तथा तीन मीटर गोताखोरी में रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

गुरुवार 29 मई, 2025

महानगर

इंदौर

3

मुख्यमंत्री ने दी पद्मश्री सम्मानितों को बधाई

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्य प्रदेश की तीन विभूतियां को राष्ट्रपति भवन में हुए गरिमामय समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा सम्मानित किए जाने पर बधाई दी है। मध्यप्रदेश के श्री हरचन्दन सिंह भट्टी,भोपाल को जनजातीय और लोककला क्षेत्र, श्री जगदीश जोशीला जी निमाड़ अंचल को निमाड़ी साहित्य और शिक्षा क्षेत्र और डॉ. बुधेंद्र कुमार जैन,चित्रकूट को चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

टेंपो वाला इंदौर अब मेट्रो पर दौड़ेगा, टर्मिनल का नाम होगा मां अहिल्या

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में अब टेंपो की जगह मेट्रो सेवा शुरू होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल में मां अहिल्या की 300वीं जयंती समारोह में इंदौर मेट्रो को हरी झंडी दिखाएंगे। इस मौके पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मेट्रो से जुड़ी कई बड़ी घोषणाएं कीं। मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि पहली यात्रा में सभी यात्री महिलाएं होंगी, जिसमें महिला सफाईकर्मियों और आईटी सेक्टर की महिलाओं को भी शामिल किया जाएगा ताकि यह समानता का प्रतीक बने। साथ ही, मुख्य टर्मिनल का नाम मां अहिल्या टर्मिनल रखा जाएगा। मेट्रो सेवा शुरू होने के पहले सप्ताह में यात्रियों के लिए सफर पूरी तरह से मुफ्त रहेगा।

मेट्रो किराया और छूट की विस्तृत योजना

इंदौर मेट्रो का किराया भी तय कर दिया गया है। स्टेशन संख्या 1 से 2 तक का किराया 20 रुपए, 3 से 5 स्टेशन के लिए 30 रुपए, 6 से 8 के लिए 40 रुपए, 9 से 11 के लिए 50 रुपए, 12 से 14 के लिए 60 रुपए और 15 से अधिक स्टेशन के लिए 80 रुपए निर्धारित किया गया है। मेट्रो सेवा के पहले सप्ताह यात्रा मुफ्त रहेगी। इसके बाद दूसरे सप्ताह में 75 फीसदी, तीसरे सप्ताह में 50 फीसदी और चौथे सप्ताह से तीन महीने तक 25 फीसदी की छूट दी जाएगी। मेट्रो सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक चलेगी और हर 30 मिनट में एक ट्रेन चलेगी। फिलहाल यह गांधीनगर से टीसीएस चौराहे तक 5.5 किमी के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर दौड़ेगी, जिसमें पांच स्टेशन होंगे।

पहला चरण और भविष्य की योजनाएं

मेट्रो के पहले चरण में कुल 17.5 किमी की दूरी तय होगी। पहला सुपर प्रायोरिटी चरण गांधीनगर से टीसीएस तक 5.5 किमी की दूरी का है। दूसरा हिस्सा टीसीएस से रेडिसन होते हुए रोबोट चौराहे तक 12 किमी लंबा है। दूसरे चरण में रोबोट चौराहे से रीगल तक 5.5 किमी और रीगल से गांधीनगर तक 8.5 किमी मेट्रो दौड़ेगी। पहले और दूसरे चरण को मिलाकर कुल 31.5 किमी में मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। इस परियोजना की लागत लगभग 7500 करोड़ रुपए है। मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि छह महीने में मेट्रो रेडिसन चौराहे तक विस्तार करेगी और सिंहस्थ के पहले उज्जैन तक मेट्रो सेवा का विस्तार करने का लक्ष्य है।

मंत्री विजयवर्गीय का अनुभव और विकास की दिशा

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जब वे इंदौर के महापौर थे, तब शहर में टेंपो सेवा चलती थी। उन्होंने खुद भी कार खराब होने पर टेंपो से सफर किया है। अब महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में मेट्रो सेवा शुरू हो रही है, जो शहर के विकास का बड़ा कदम है। उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना विकसित भारत 2047 की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और भविष्य में फ्लाइंग टैक्सी जैसी उन्नत परिवहन तकनीकें भी इंदौर में चलने लगेंगी। इस योजना से शहर के लोगों को बेहतर और सुविधाजनक परिवहन सेवा मिलेगी।

ट्रैफिक पुलिस आम जनता के लिए ईमानदार, खुद के लिए हुई बेईमान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर की सड़कों पर आम नागरिक अगर अपनी गाड़ी पर काली फिल्म चढ़वाए या सायरन बजाता हुआ पकड़ा जाए, तो ट्रैफिक पुलिस के चालान और सख्ती का सामना तय है, लेकिन जब कानून के रक्षक ही कानून को तोड़ते नजर आएं, तो सवाल उठना लाजमी है - क्या पुलिस के लिए कोई नियम नहीं हैं?

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने इंदौर ट्रैफिक पुलिस की साख पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। वीडियो तेजाजी नगर ब्रिज के नीचे का है, जहां ट्रैफिक पुलिस में तैनात एक एसआई ब्रजराज अजनार ने खुलेआम कानून की

धज्जियां उड़ाते हुए अपने जन्मदिन का जश्न मनाया। वीडियो में देखा जा सकता है कि ढोल-धमाके के बीच एक काली फिल्म लगी स्कॉर्पिओ की बोनट पर केक रखकर वह खुद ही उसे काटते हैं, और वहां मौजूद अन्य लोग ताली बजाते हैं, वीडियो बनाते हैं और जश्न में डूबे हैं।

कानून का मखौल उड़ाते पुलिसकर्मी

एसआई ब्रजराज अजनार और उनके सहयोगियों की यह हरकत इस बात की गवाही देती है कि नियम-कानून अब सिर्फ आम लोगों के लिए हैं, पुलिस के लिए नहीं। ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहरभर में काली फिल्म लगी गाड़ियों और सायरन पर कार्रवाई की जाती है। कई वाहन जब्त होते हैं, हजारों के चालान कटते हैं,लेकिन यहां नियमों की खुलेआम अनदेखी की गई - वह भी उन्हीं लोगों द्वारा जो आम जनता को कानून का पालन करवाने का पाठ पढ़ाते हैं। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि वह स्कॉर्पिओ गाड़ी पूरी तरह से काली फिल्म से ढंकी हुई है।

आईएएस हर्षिका सिंह समेत तीन के खिलाफ लोकायुक्त की जांच

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

योग्यता नहीं होने के बावजूद संविदा पर नियुक्त एक अधिकारी को भवन अधिकारी बनाए जाने पर लोकायुक्त में शिकायत हुई है। इस मामले में इंदौर की पूर्व निगामयुक्त आईएएस हर्षिका सिंह, स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह खिलाफ लोकायुक्त ने जांच शुरू की है।

यह मामला दो साल पुराना है। तब सिंह इंदौर में निगमायुक्त थी। इस मामले में पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने लोकायुक्त में शिकायत की थी। लोकायुक्त ने प्रकरण जांच में लिया है। जिस सहायक यंत्री देवेश कोठारी को भवन अधिकारी बनाया गया है। उसके खिलाफ भी जांच होगी। शिकायत में कौशल ने आरोप लगाया कि देवेश को स्मार्ट सिटी के कामों के लिए संविदा पर सिविल इंजीनियर के रुप में पदस्थ किया गया था, लेकिन योग्यता नहीं होने के बावजूद उन्हें भवन अधिकारी की जिम्मेदारी भी दी गई। कोठारी के डिजिटल हस्ताक्षरों से ढाई सौ से ज्यादा नक्शे पास हो गए। कोठारी पर आरोप है कि जोन क्रमांक 13 का भवन अधिकारी बनाने के लिए उनके संविदा पर होने के तथ्यों को भी छिपाया गया। कौशल ने शिकायत में कहा कि कोठारी द्वारा मंजूर किए गए नक्शों की भी जांच होना चाहिए। इसकी शिकायत पूर्व में हर्षिका सिंह को भी की गई थी, लेकिन उन्होंने कोई एक्शन नहीं लिया।

इंदौर के बूढ़े शास्त्री ब्रिज पर नया प्रयोग, लोहे की जगह अब प्लास्टिक के डिवाइडर लगाए

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहरवासियों की मूलभूत समस्या हल करने के बजाए नगर निगम सौंदर्यीकरण के नाम पर फिजूलखर्ची कर रहा है। इंदौर के 60 साल पुराने शास्त्री ब्रिज पर फिर नया प्रयोग किया जा रहा है। यहां सीमेंट के बेस पर अब प्लास्टिक के डिवाइडर लगाए गए है। चार माह पहले यहां लोहे की रैलिंग लगाई गई थी। जिस पर निगमायुक्त शिवम वर्मा ने आपत्ति ली थी। तब रैलिंग आधे ही हिस्से में लगाए गए थे। जिसे हटा दिया गया। अब डिवाइडरों पर प्लास्टिक और फाइबर की रैलिंग लगाई गई है। यह ब्रिज दो लेन है। यहां वैसे ही ट्रैफिक जाम रहता है। डिवाइडर बनने से हादसों का खतरा बढ़ सकता है, क्योंकि डिवाइड का बेस सीमेंट का बनाया गया है। पहले ब्रिज पर सीमेंट के अस्थाई डिवाइडर तीन साल तक लगाए गए थे।

ब्रिज में कई जगह दरारें दिखाई दे रहे सरिए

60 साल से भी ज्यादा पुराने हो चुके शास्त्री ब्रिज के कई हिस्से कमजोर हो चुके है। छह माह पहले फुटपाथ और सड़क के बीच गेप आ गई थी। अफसरों ने जांच की और चूहों को जिम्मेदार माना। तब कहा गया था कि चूहों ने बिल बना दिए। इस कारण गेप आई है। गांधी हॉल गार्डन के हिस्से में ब्रिज का प्लास्टर उखड़ चुका है और सरिए भी बाहर नजर आ रहे है। इसके अलावा ब्रिज पर पैदल यात्रियों के चढ़ने के लिए बनाए गए टॉवर पांच साल पहले ही टूट चुके है। ट्रैफिक का दबाव बढ़ने के कारण अब इस ब्रिज के समीप एक और ब्रिज बनाने की योजना भी तैयार हो रही है, लेकिन उसे अभी मूर्त रुप नहीं दिया जा रहा है। पुराने ब्रिज की ऊंचाई कम होने के कारण ट्रेनों को भी निकलने में परेशानी आ रही है।

शूटिंग एकेडमी के नाम पर छात्र के परिजन से 1.40 लाख की ठगी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 एरोड्रम रोड, इंदौर में कक्षा 9वीं के छात्र पूर्वांश शर्मा के परिजन ने स्थानीय शूटिंग एकेडमी संचालक पर 1.40 लाख की ठगी का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार, विद्यालय के खेल शिक्षक शाहिद अंसारी ने उन्हें अपने मित्र मोहसिन खान की शूटिंग एकेडमी, सिल्वर ऑक्स कॉलोनी की सिफारिश की थी।

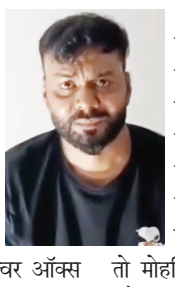

पीड़ित के मुताबिक, मोहसिन खान ने दावा किया था कि वह पूर्वांश को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पहुंचा सकता है। इसके लिए एक उच्च गुणवत्ता की बंदूक और शूटिंग किट आवश्यक बताई गई। मोहसिन ने कहा कि वह स्वयं आवश्यक सामान खरीद देगा और इसके एवज में ?1,40,000 नकद ले लिए। यह रकम 2 अप्रैल 2025 को उसकी शूटिंग एकेडमी में दी गई। इसके अतिरिक्त, हर माह ?8,600 फीस के रूप में भी लिए गए। हालांकि, कई बार संपर्क करने और पूछताछ करने के बावजूद न तो ट्रेनिंग शुरू की गई और न ही किट और बंदूक उपलब्ध करवाई गई। जब पीड़ित ने पैसे वापस मांगे तो मोहसिन टालमटोल करता रहा और आज दिनांक तक कोई भुगतान नहीं किया गया। अन्नपूर्णा पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी पर धोकाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी पर यह छटी एफआईआर पुलिस ने दर्ज की है। इससे पहले रेप, गैंग रेप सहित अन्य मुकदमे दर्ज हो चुके है।

कवि सत्यनारायण सत्तन को देवी अहिल्या गौरव सम्मान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में देवी अहिल्या की 300वीं जयंती गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। बुधवार से शहर में आयोजनों की शुरूआत हुई। इस मौके पर कवि व पूर्व विधायक सत्यनारायण सत्तन को देवी अहिल्या नगर गौरव सम्मान दिया गया। यह आयोजन लोकमाता देवी अहिल्या जयंती समारोह समिति ने किया था।

इस मौके पर सत्यनारायण सत्तन ने कहा कि मेरे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। मैंने हमेशा राजनीति को जनसेवा का माध्यम ही समझा, कहीं कॉलोनी नहीं काटी, किसी के ट्रांसफर के पैसे नहीं मांगे। किसी प्लॉट पर कब्जा नहीं जमाया। कविताएं मंचों पर पढ़कर और

बच्चों को पढ़ाकर परिवार चलाया। इन विकृतियों से दूर रहा तो मैं प्रचलन में नहीं आया। प्रचलन में वही आता है जो चलन के अनुरूप हो। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर अभियान को लेकर कहा कि हम इस देश में पैदा हुए हैं। देश के हिस्से नहीं होने दे सकते हैं। जो दूसरे देशों से आए, वे अपना हिस्सा ले गए। अब फिर हिस्सेदार खड़े हो गए हैं, लेकिन उन्हें झटका देना जरूरी है, जैसे अभी दिया है। सत्तन ने अपनी राजनीतिक व काव्य यात्रा से जुड़े कई संस्मरण सुनाए। सत्तन के सम्मान के बाद लखनऊ के कवि प्रख्यात मिश्रा ने काव्य पाठ भी किया। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सत्तन ने प्रदेश में भाजपा की जमीन तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने हमेशा शुचिता की राजनीति की और जनसेवा से जुड़े रहे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस पुरस्कार को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी की थी। उन्होंने कहा कि सत्तन जी ने मां सरस्वती की सेवा की है। उनकी काव्य यात्रा में लोग डूब जाते हैं। वे आकर्षक व्यक्तिव के धनी हैं। सत्तन ने राजनीति में संघर्ष के साथ अपनी पहचान बनाई। वे उत्कृष्ट विधायक रहे हैं। उन्होंने देवी अहिल्या गौरव उत्सव सम्मान देने पर सत्तन को बधाई दी।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के भाई के खिलाफ प्रकरण दर्ज, कांग्रेस ने जताया विरोध

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जमीन के विवाद में इंदौर में जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के दो भाईयों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। इसे लेकर राजनीतिक गरमा गई। बुधवार सुबह कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करने पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे।

हाथों में कांग्रेस के झंडे लेकर पहुंचे कार्यकर्ता दर्ज प्रकरण के विरोध में नारेबाजी करते नजर आए। उनका कहना था कि कांग्रेस का जो नेता सरकार के विरोध में बोल रहा है। उसके खिलाफ झूठे मुकदमे लादे जा रहे है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार विपक्षी दलों की आवाज को कुचलना चाहती है। मुख्यमंत्री के दबाव में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के भाईयों के खिलाफ झूठा केस दर्ज कराया है। हमें प्रकरण की प्रति नहीं दी जा रही है।

तीनों के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। राजनीतिक परिवार को बदनाम करने के लिए यह प्रकरण दर्ज किया गया है। हमारा कहना है कि सरकारें आती जाती हैं। अफसरों को भी समझना चाहिए, वे आंख पर पट्टी बांध कर काम कर रहे है, इस कारण हमने ज्ञापन अफसरों को सौंपने के बजाए दीवार पर चस्पा करना पड़ा। प्रदर्शन में कांग्रेस नेत्री शोभा ओझा, सुरजीत सिंह चड्ढा, चिंटू चौकसे, संतोष गौतम सहित अन्य नेता शामिल थे।

क्रेन ने बुजुर्ग को कुचला, ड्राइवर फरार, पुलिस ने शुरू की तलाश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के बड़ा गणपति इलाके में मंगलवार शाम एक तेज रफ्तार क्रेन ने सड़क पार कर रहे 85 वर्षीय बुजुर्ग लक्ष्मीचंद को कुचल दिया। लक्ष्मीचंद, जो जनता कॉलोनी के निवासी थे, बड़े गणपति क्षेत्र में स्थित एक दुकान पर चाय पीने के बाद घर लौट रहे थे। जैसे ही वे सुभाष स्कूल के गेट के पास सड़क पार कर रहे थे, तब क्रेन (नंबर MP09 DQ 1723) ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, क्रेन का अगला पहिया लक्ष्मीचंद के ऊपर से गुजर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के तुरंत बाद लोगों ने क्रेन को रोक लिया, लेकिन ड्राइवर मौके का फायदा उठाकर फरार हो

गया। मल्हारगंज पुलिस ने क्रेन को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। लक्ष्मीचंद के बेटे पुरुषोत्तम की शिकायत पर ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि जल्द ही आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार किया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सिरपुर तालाब में तैरता मिला युवक का शव- इंदौर के सिरपुर तालाब में बुधवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिला। यह शव देखकर मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने तुरंत चंदन नगर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजा गया। मृतक युवक की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल, शव की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस ने शुरू की जांच, गुमशुदगी रिपोर्ट खंगाली- पुलिस आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्टें खंगाल रही है ताकि मृतक युवक की पहचान की जा सके। साथ ही, पुलिस इस मामले में भी गंभीरता दिखाते हुए जांच में जुटी है। मृतक के परिवार तक जल्द सूचना पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि मामले का रहस्य सुलझाया जा सके और उचित कार्रवाई की जा सके।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर 485 दीपोत्सव ओर आतिशबाजी के लहराया केसरिया ध्वज

राजपूत समाज की शौर्य यात्रा आज

क्षत्रिय महासभा के तत्वाधान में सभी संगठन साथ में निकलेंगे

29 को प्रातः महू नाका स्थित प्रताप प्रतिमा पर माल्यार्पण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 485 वी जयंती की पूर्व संध्या पर महू नाका स्थित महाराणा प्रताप प्रतिमा स्थल पर 485 दीपक लगा कर केसरिया ध्वज फहराया भव्य आतिशबाजी प्रतिमा स्थल पर की। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश लोकसभा स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर विधायक गोलू शुक्ला विधायक मालिनी गौड़ राजेंद्र सिंह सोलंकी ज्योति तोमर के साथ बड़ी संख्या में समाज के युवा उपस्थित थे अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 485 वी और महाराजा छत्रसाल 376 वी जयंती राजपूत समाज बड़े उत्साह से मना रहा है।

शाम को भव्य शौर्य यात्रा

शाम 6 बजे बड़ा गणपति से 29 को शौर्य यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें क्षत्रिय राजपूत समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे। महासभा के दीपेंद्र सिंह सोलंकी, पप्पू ठाकुर और दुले सिंह राठौर ने बताया कि शौर्य यात्रा में झाकियां आकर्षक का केंद्र रहेगी। अश्वों पर महापुरुषों के वेष भूषा में शामिल होंगे।

शौर्य यात्रा की विशेषताएं

- **पारंपरिक वेशभूषा:** क्षत्रिय राजपूत समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे।
- **40 से अधिक संगठन:** राजपूत समाज के लगभग 40 से अधिक संगठन इस शौर्य यात्रा में शामिल होंगे।
- **एकजुटता का परिचय:** यह शौर्य यात्रा राजपूत समाज की एकजुटता का परिचय देगी।

सर्व समाज आमंत्रित

यात्रा में सामाजिक समरसता का परिचय देते हुए सर्व समाज को भी आमंत्रित किया है।

कार्यक्रम का विवरण

- प्रातः 8 बजेः राजपूत समाज के पदाधिकारी महू नाका स्थित प्रताप प्रतिमा पर 29 को प्रातः 8 बजे माल्यार्पण करेंगे।
- शाम 5 बजेः बड़ा गणपति से शौर्य यात्रा प्रारंभ होगी जो बड़ा गणपति, खजुरी बाजार, राजबाड़ा कृष्णपुरा होते हुए बोलिया छतरी पर समाप्त होगी।

यात्रा में प्रमुख रूप से शामिल होंगे- बड़ा गणपति से निकलने वाली शौर्य यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक गोलू शुक्ला, विधायक रमेश मेंदोला, विधायक मालिनी गौड़, विधायक सुश्री उषा ठाकुर ,विधायक मधु वर्मा, विधायक महेन्द्र हार्डिया, महापौर पुष्यमित्र भार्गव मौजूद रहेंगे।

100 से अधिक मंचों से स्वागत

कई सामाजिक संगठनों द्वारा शौर्य यात्रा का स्वागत किया जाएगा। 100 से अधिक मंच लगेंगे। दीपेंद्र सिंह सोलंकी पप्पू ठाकुर ने बताया कि महाराणा प्रताप की जयंती एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें उनकी वीरता और शौर्य को याद किया जाता है। यह शौर्य यात्रा राजपूत समाज की एकजुटता और महाराणा प्रताप के प्रति उनकी श्रद्धा का प्रतीक होगी। दीपोत्सव में प्रमुख रूप से राजू भदोरिया गोविंद सिंह परिहार मुकेश गौतम सुनील परिहार दीपक राजपूत राजेश ठाकुर तुलसीराम रघुवंशी मौजूद थे।

पीसीसी चीफ के भाइयों पर हुई एफआईआर, पुलिस मुख्यालय पहुंचे नेता प्रतिपक्ष, बोले-एफआईआर द्वेष की भावना से प्रेरित

भोपाल ■

मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई भारत पटवारी एवं नाना पटवारी के खिलाफ इंदौर के तेजाजी नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। उन पर एक बुजुर्ग ने धोखाधड़ी कर जमीन पर कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। कांग्रेस इसे रानीतिक द्वेष बता रही है। इस लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय, भोपाल पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में विधायक आरिफ मसूद, कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव कुणाल चौधरी, चुनाव आयोग प्रभारी जेपी धनोपिया सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यह एफआईआर राजनीतिक द्वेष की भावना से प्रेरित

शिकायत करने पीएचक्यू पहुचें नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह एफआईआर राजनीतिक द्वेष की भावना से प्रेरित होकर की गई है। यह दशार्ता है कि किस प्रकार भाजपा सरकार व्यक्तिगत

दुश्मनी के तहत विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है।

जिन पर एफआईआर उनका जमीन से कोई लेना-देना नहीं

सिंघार ने कहा कि एफआईआर में जिनका नाम है, उनका जमीन से कोई लेना-देना नहीं है, जबकि उस ट्रस्ट की जमीन पर लगे बोर्ड पर स्पष्ट रूप से मुख्यमंत्री मोहन यादव के भाई का नाम अंकित है। उन्होने कहा कि यह सवाल उठता है कि जब मुख्यमंत्री के भाई का नाम उस जमीन से जुड़ा है, तो विपक्ष के नेताओं के परिजनों पर एफआईआर कैसे की गई? ये भाजपा सरकार का तानाशाही रवैया दिखाता है। हम मांग करते हैं कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच हो।

भूमि यादव महासभा की

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा यह एफआईआर राजनीति के असली चेहरे को उजागर करती है। वह भूमि यादव महासभा की है, और उस पर लगे बोर्ड पर मुख्यमंत्री के भाई का नाम दर्ज है। इसके बावजूद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के भाईयों को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। कांग्रेस इस राजनीतिक षड्यंत्र के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

एमपी के मंत्रालय में मंत्री के चैंबर में हुआ ऐसा कांड कि मच गई खलबली

भोपाल ■

एमपी के मंत्रालय में एक मंत्री के चैंबर में ऐसा कांड हुआ कि खलबली मच गई। यहां प्रदेश के केबिनेट मंत्री के कक्ष में चोरी हो गई। राज्य के खाद्य मंत्री गोविं?दसिंह राजपूत के कक्ष में यह घटना हुई। उनके कक्ष में रखी भगवान गणेश की चांदी की मूर्ति गायब हो गई। मंत्री के चैंबर से मूर्ति गायब होने से मंत्रालय में हलचल तेज हो गई है। प्रदेश के सबसे सुरक्षित प्रशासनिक भवन में चोरी की इस घटना से हर कोई हैरान है। मंत्रालय की सुरक्षा व्यवस्था इतनी तगड़ी मानी जाती है कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता। लेकिन यहां से एक मंत्री के चैंबर से मूर्ति गायब हो जाने की वारदात से सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लग गया है।

गणेशजी की मूर्ति उड़ा ले गए

खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का कक्ष मंत्रालय के द्वितीय तल पर है। मंगलवार को वे केबिनेट की बैठक के लिए कक्ष में पहुंचे तो मूर्ति नहीं दिखी। भगवान गणेश की मूर्ति की चौकी तो वहीं पड़ी है लेकिन मूर्ति गायब थी। गणेश प्रतिमा नहीं दिखने पर खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने पूछताछ की। स्टाफ ने तुरंत सुरक्षा अधिकारी अविनाश शर्मा और कार्यालय अधीक्षक को यह बात बताई। सूचना मिलते ही सुरक्षा अधिकारी शर्मा चैंबर में ही आ गए और पुलिस कर्मियों के साथ मूर्ति के बारे में पता लगाने का काम शुरू कर दिया। संदेह जताया जा रहा है कि किसी सफाईकर्मी ने मूर्ति की चोरी की है। दरअसल मंत्रालय में मंत्रियों के चैंबर प्रायः खुले ही पड़े रहते हैं, उन्हें लॉक नहीं किया जाता। खाद्य मं?त्री गोविंदसिंह राजपूत का भी चैंबर लॉक नहीं किया गया था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात चोर चैंबर में अन्य मूर्तियों के साथ रखी गणेशजी की मूर्ति उठाकर ले गया। यह मूर्ति चांदी कोटेड थी इसलिए चोर के लिए कीमती थी। मंत्री गोविंदसिंह राजपूत ने इस घटना पर आश्चर्य जताया।

1 से 9 जून तक कैंसिल रहेंगी 18 ट्रेनें, रेलवे मेंटनेंस का चलेगा काम

भोपाल ■

अगर आने वाले दिनों में आप सफर करने जा रहे है तो ये खबर आपके काम की है। यात्रियों को जानकारी के लिए बता दें कि रेलवे मेंटनेंस के चलते एक जून से भोपाल मंडल की 18 ट्रेनों को निरस्त किया गया है। इसका असर समर सीजन बाद वापस लौटने वाली भीड़ पर पड़ेगा और कंफर्म सीट के मारामारी होगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के झलवारा स्टेशन पर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट संबंधी कार्य के तहत नॉन इंटरलॉकिंग किया जाएगा। यह कार्य सिंगरौली दिशा की टाई-लाइन की कनेक्टिविटी के कमीशनिंग के लिए किया जा रहा है। इस कारण रेलवे ने 1 से 9 जून तक कुल 18 ट्रेनों को रद्द किया है।

कैंसिल रहेंगी ये ट्रेनें

18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस 1 से 7 जून तक और 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस 3 से 9 जून तक नहीं चलेगी।

11265 जबलपुर-अम्बिकापुर एक्सप्रेस 2 से 7 जून तक और 11266 अम्बिकापुर-जबलपुर एक्सप्रेस 3 से 8 जून तक निरस्त रहेगी।

11751 रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस 2, 4, 6 जून और 11752 चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस 3, 5, 7 जून को नहीं चलेगी।

12535 लखनऊ-रायपुर एक्सप्रेस 2, 5 जून और 12536 रायपुर-लखनऊ एक्सप्रेस 3 और 6 जून को निरस्त रहेगी।

22867 दुर्ग-निजामुद्दीन एक्सप्रेस

3, 6 जून और 22868 निजामुद्दीन-दुर्ग एक्सप्रेस 4, 7 जून को नहीं चलेगी।

18213 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस 1 जून और 18214 अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस 2 जून को निरस्त रहेगी।

18205 दुर्ग-नवतनवा एक्सप्रेस 5 जून और 18206 नवतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस 7 जून को नहीं चलेगी।

51755 चिरमिरी-अनुपपुर पैसेंजर और 51756 अनुपपुर-चिरमिरी पैसेंजर 3, 5, 7 जून को निरस्त रहेगी।

61601 कटनी-चिरमिरी पैसेंजर 2, 7 जून और 61602 चिरमिरी-कटनी पैसेंजर 3, 8 जून को नहीं चलेगी।

चलेगी स्पेशल ट्रेन

रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। ये ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी। 01417 और 01418 के रूप में यह ट्रेन दो-दो ट्रिप में चलेगी। 01417 पुणे-दानापुर विशेष ट्रेन 28 मई बुधवार और 1 जून रविवार को पुणे स्टेशन से रात 7:55 बजे रवाना होगी। अगले दिन दोपहर 12:05 बजे इटारसी पहुंचेगी।

वहीं तीसरे दिन सुबह 7:30 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी। 01418 दानापुरझ्पुणे विशेष ट्रेन 30 मई शुक्रवार और 3 जून मंगलवार को सुबह 8:30 बजे दानापुर से चलेगी। अगले दिन रात 1:50 बजे इटारसी पहुंचेगी। फिर शाम 5:35 बजे पुणे पहुंचेगी।

गद्दी की लड़ाई में किन्नर मुखिया की गला दबाकर हत्या!

शिवपुरी ■

शिवपुरी लेकर करैरा में किन्नर समाज के एक मुखिया आशा किन्नर की हत्या का मामला सामने आया है। करैरा में आशा किन्नर का सदिंग्ध परिस्थितियों में सुबह के वक्त शव उनके निवास में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में कर जांच पड़ताल शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि करैरा किन्नर समाज की गद्दी हथियाने के लिए यह हत्या की गई है। पुलिस ने इस मामले में दो किन्नरों को राउंडअप किया है।

करैरा थाना सीमा में निवास करने वाली 65 साल की किन्नर की हत्या का मामला प्रकाश में आया है। मृतक किन्नर करैरा के किन्नर समाज की गुरु थी। आशा के गले पर निशान मिले हैं इससे प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि उसकी गला दबाकर हत्या की है। इस मामले में एक सीसीटीवी फुटेज मिला है जिसमें एक किन्नर मृतक गुरु मां किन्नर के घर में जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर इस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरु की हत्या के आरोप लगाए

बताया जाता है कि आशा किन्नर करैरा क्षेत्र की किन्नर समाज की मुखिया थीं। वो जल्द ही अपनी गद्दी किसी योग्य शिष्या को सौंपने वाली थीं। आशंका जताई जा रही है कि इसी गद्दी को हथियाने के लिए उनकी हत्या की गई है। इस मामले में आशा किन्नर की एक शिष्य ने आरोप लगाए

कि उनकी हत्या की गई है। गुरु की हत्या की सूचना मिलते ही दतिया के बड़ौनी से करैरा पहुंची रूबी किन्नर ने नैना किन्नर और आंचल किन्नर पर हत्या का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पैसों और गद्दी के लालच में इन दोनों ने साजिश रचकर गुरु आशा की हत्या की है।

सीसीटीवी के आधार पर जांच शुरू

करैरा पुलिस को जांच के दौरान आशा किन्नर के मकान से सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। इस फुटेज में एक किन्नर कार से उतरा है और आशा किन्नर के मकान में जाता हुआ दिखाई दिया है। एक किन्नर कार में बैठा है, जो किन्नर घर में जा रहा है उसके हाथ में एक दुपट्टा भी है। घर में घुस रहे किन्नर का नाम नैना जाटव बताया जा रहा है और हाथ में दुपट्टा लेकर आई है। उससे अपनी गुरु मां आशा किन्नर की गला दबाकर हत्या कर दी।

एफआईआर दर्ज जांच शुरू

करैरा थाना टीआई विनोद छावई ने बताया कि रूबी किन्नर की शिकायत पर हत्या की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। संदेही नैना और आंचल किन्नर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी और बयान के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। एफआईआर दर्ज करने के बाद अब पूरे मामले को जांच में लिया गया है।

इनकम टैक्स रिटर्न फाइलिंग 2025 की लास्ट डेट बढ़ी

भोपाल। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रिटर्न फाइल करने की अंतिम तारीख डेढ़ महीने बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी है। पहले यह तारीख 31 जुलाई थी। तारीख बढ? से आम आदमी से लेकर कर सलाहकारों ने राहत की सांस ली है। प्रदेश के करीब 30 लाख से ज्यादा आयकरदाताओं को इसका फायदा मिलेगा। पूरे देश में करीब 13 करोड़ आयकरदाता है। बीते वर्ष देश में 9,18,92,914 आयकर विवरणियां दाखिल हुई थीं। तारीख बढ़ाने को लेकर ने 27 मई 2025 को ही अपने अंक में खबर प्रकाशित की थी। दरअसल 1 अप्रेल से आयकर रिटर्न फाइल होने का काम शुरू हो जाता है।

पीएम मोदी की बड़ी सौगात

रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन को दी मंजूरी..

भोपाल ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र को दो बड़ी सौगातें दी गई हैं। भारतीय रेल में दो मल्टीट्रैकिंग योजनाएं मंजूर की गई हैं जिनसे यात्रियों और वस्तुओं का तेज गति से परिवहन होगा। जिन दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है उनमें रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन व वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन शामिल हैं।

रतलाम-नागदा तीसरी व चौथी लाइन और वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन इन दोनों परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपये (लगभग) है और इन्हें 2029-30 तक पूरा किया जाएगा। रतलाम-नागदा तीसरी व चौथी लाइन को मंजूरी मिलने के बाद रतलाम और नागदा के बीच रेलवे नेटवर्क और भी ज्यादा मजबूत होगा और ट्रेनों के संचालन में सहूलियत होगी। बता दें कि रतलाम जंक्शन मध्यप्रदेश के प्रमुख रेल जंक्शनों में से एक है जिससे रोजाना सैकड़ों ट्रेनें गुजरती हैं। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के चार जिलों को समाहित करने वाली ये दो परियोजनाएं भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 176 किलोमीटर तक विस्तारित करेंगी।

ग्रीन गोल्ड के लुटेरे: बैतूल के वन माफिया से जुड़े आरा मशीन संचालकों के तार, 60 घन मीटर चिरान जब्त

सागर ■

मोतीनगर थाना क्षेत्र में पिछले तीन दिन से चल रही बैतूल व सागर वन विभाग की कार्रवाई मंगलवार को पूरी हो गई। इस कार्रवाई में सागौन तस्करी का एक बड़ा खुलासा हुआ है। आरा मशीन संचालित करने वाले लोगों के तार बैतूल के कुख्यात वन माफिया राजू वाडिवा से जुड़े थे। राजू ने ही जंगलों से सागौन की अवैध कटाई करके सागर जिले में सप्लाई की थी। वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए 60 घन मीटर से ज्यादा अवैध सागौन चिरान, अर्धनिर्मित फर्नीचर जब्त किया है।

प्रबंधक गिरफ्तार, मालिक फरार- मुख्य वनसंरक्षक सागर वृत्त रिपुदमन सिंह भदौरिया के निर्देश पर

टीम ने दो आरा मशीनों को सील कर प्रकरण दर्ज किया गया है। टीम ने कार्रवाई के दौरान कुंज बिहारी सॉ मिल के प्रबंधक जगदीश श्रीवास्तव को मौके से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। वहीं कुंजबिहारी मिश्रा सॉ मिल का मालिक अमित मिश्रा को तीन दिन पहले फरार होना बताया जा रहा है, जिसकी टीम तलाश में जुटी है।

माफिया की निशानदेही पर दबिश- दक्षिण वन मंडल के डीएफओ चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि बैतूल क्षेत्र के माफिया राजू वाडिवा व उसके 16 साथियों को सागौन की अवैध कटाई के प्रकरण में गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों से की पूछताछ के दौरान पता चला कि जंगल से अवैध रूप से काटे गए सागौन की सप्लाई उन्होंने सागर जिले में की है। आरोपियों के बयान और निशानदेही पर जांच के लिए विनोद जाखड़ (प्रशिक्षु आइएफएस), प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी बैतूल के नेतृत्व में एक टीम सागर पहुंची, जहां सागर उत्तर व दक्षिण वन मंडल की टीमों के साथ संयुक्त रूप से मोतीनगर चौराहा के पास स्थित कुंजबिहारी मिश्रा सॉ मिल व श्रीकृष्ण सॉ मिल की आरा मशीनों में दबिश दी और वहां भंडारित सागौन को जब्त किया गया।

मोहन सरकार के नवाचार कृषि क्षेत्र में ला रहे हैं बदलाव

मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने अपने कार्यकाल में कृषि क्षेत्र में कई नवाचारों और नीतियों को लागू करके राज्य को कृषि क्षेत्र में विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने, खेती को लाभकारी बनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन नीतियों में कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने, सिंचाई के बेहतर संसाधनों की उपलब्धता और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाने के लिए अनेक पहल की गई है ।

हर्षवर्धन पान्डे
(लेखक)
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

मोहन सरकार ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को कम करने के लिए जैविक और पारम्परिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वयं इस बात पर बल दिया है कि जैविक खेती न केवल एक उत्पादन विधि है, बल्कि यह किसानों की समृद्धि और आत्मनिर्भरता का आधार है। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, मध्यप्रदेश में वर्तमान वर्ष में लगभग 1 लाख एकड़ क्षेत्र में जैविक खेती का कार्यक्रम चल रहा है और आगामी वर्षों में इसे 5 लाख हेक्टेयर तक विस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है। जैविक कृषि को बढ़ावा देने के साथ ही प्रदेश में मटर, सोयाबीन, तुअर दाल और आलू जैसे फसलों का उत्पादन में राज्य में तेजी आई है और इन उत्पादों का निर्यात भी काफी बढ़ा है जिसने किसानों की आय में वृद्धि के साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है।कृषि क्षेत्र में ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए मोहन सरकार ने सौर पंप योजना को बेहतर तरीके से लागू किया है। इस योजना के तहत किसानों को मात्र 10% राशि जमा करने पर सौर पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अगले तीन वर्षों में 32 लाख सौर पंप वितरित करने का लक्ष्य सरकार ने रखा है। इसके अतिरिक्त किसानों द्वारा उत्पादित अतिरिक्त बिजली को सरकार खरीदेगी जिससे किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। यह योजना न केवल बिजली बिल से मुक्ति दिलाएगी, बल्कि किसानों को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएगी। मध्यप्रदेश में बीते डेढ़ वर्ष में कृषि मंडियों का आधुनिकीकरण, विपणन और भंडारण की सुविधाओं में भी बड़ा सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने किसानों के उत्पादों को बेहतर दाम दिलवाने के लिए कृषि मंडियों और कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं में विस्तार किया है जिससे किसानों को अपनी उपज को बाजार में बेहतर मूल्य पर बेचने का अवसर मिल रहा है। नई जरूरतों के मुताबिक अब अलग-अलग मंडियों की स्थापना पर विचार किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की कृषि मंडियों को आदर्श बनाने के निर्देश दिए हैं। मंडियों में आधुनिक सुविधाओं को बढ़ाने से लेकर उनके प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। मंडी शुल्क का उपयोग किसानों की कल्याणकारी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है साथ ही फल, सब्ज और मसाला मंडियों की स्थापना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा, राज्य में न्यूनतम

समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर भी विशेष ध्यान दिया गया है जिससे किसानों को उचित लाभ मिल रहा है।इन प्रयासों से राज्य में कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मोहन यादव ने किसान कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं जिनमें कृषि ऋण, बीमा और कृषि उपकरणों पर सब्सिडी जैसी योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं से किसानों को वित्तीय मदद मिल रही है जिसने उन्हें खेती में उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों का उपयोग करने की सुविधा प्रदान की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गेहूं उत्पादक किसानों को भी समर्थन मूल्य 2425 रुपये के अतिरिक्त 175 रुपये प्रति क्विंटल की बोनस राशि दी जायेगी जिससे लगभग 1400 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का लाभ होगा। साथ ही गेहूं के उपार्जन पर प्रति क्विंटल 2600 रुपये की राशि मिलेगी। इस वर्ष प्रदेश में 80 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन अनुमानित है। एमपी की मोहन सरकार ने श्रीअन्न (मिलेट्स) और विशेष फसलों को प्रोत्साहन देने की दिशा में कई बड़े कदम उठाए हैं। सरकार ने घोषणा की है कि वह किसानों से श्रीअन्न की खरीद करेगी, जिससे इन फसलों का उत्पादन बढ़ेगा। इसके अतिरिक्त, विशेष फसलों को भौगोलिक संकेतक जीआई टैग प्रदान करने की प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है, ताकि मध्यप्रदेश की फसलों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मार्केट में नई पहचान मिले। राज्य सरकार ने प्रदेश के हर संभाग में किसान मेलों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इन मेलों में कृषि आधारित उद्योगों में निवेश पर जोर दिया जा रहा है। अप्रैल माह मेंमंदसौर जिले के सीतामऊ में आयोजित कार्यक्रम में किसानों को कृषि के आधुनिक यंत्रों और तकनीक से अवगत कराया गया। जिसके बाद अब 26 मई को नरसिंहपुर जिले में कृषि उद्योग समागम का आयोजन होने जा रहा है जिसका शुभारम्भ उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ के माध्यम से होगा। मध्यप्रदेश में वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम नरसिंहपुर का आयोजन मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश आकर्षित करने, और किसानों को बेहतर बाजार से जोड़ने के लिए किया जा रहा है। यह समागम उद्योगपतियों कृषक उत्पादक संगठनों एवं नीति निमार्ताओं के बीच संवाद, नीति प्रस्तुति एवं सहयोग के अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम में उद्योग इकाइयों का शिलान्यास एवं लोकार्पण तथा उद्योगपतियों को भूमि आवंटन पत्र एवं आशय पत्रों का वितरण भी होगा।इस तरह के इन समागमों के माध्यम से किसानों को अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। नरसिंहपुर के बाद 8 से 10 जून 2025 तक सतना में विशाल कृषि मेले सह कृषक सम्मेलन भी आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री मोहन स्वयं ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर किसानों से सीधा संवाद कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में एक किसान सम्मेलन में कहा, हमारा लक्ष्य है कि किसानों की आय दोगुनी हो और वे आत्मनिर्भर बनें। इसके लिए सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी। मोहन सरकार के किसान-हितैषी नवाचार कृषि क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत कर रहे हैं, जिससे न केवल किसानों का जीवन स्तर सुधरेगा बल्कि देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

न्यूज ब्रीफ

मासूम बच्ची के सामने मां को चाकू से गोदा, उपचार के दौरान मौत, किया था शादी से इनकार

जबलपुर। शादी से इनकार करने पर तीन वर्षीय बेटी के सामने महिला पर युवक ने चाकू से हमला कर दिया था। युवक ने महिला पर चाकू से आधा दर्जन प्रहार किए थे। गंभीर रूप से घायल महिला की उपचार के दौरान मंगलवार को मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसकी सरगर्मी से तलाश प्रारंभ कर दी है। बरगी चौकी प्रभारी सरिता पटेल से प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय कविता गुप्ता निवासी बल्देवबाग का गत दो सालों से नमन पटेल नामक युवक से परिचय था। दोनों की दोस्ती सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। युवक रविवार की शाम को महिला और उसकी तीन वर्षीय बच्ची को घुमाने के लिए बरगी डैम लाया था। नमन ने महिला के समक्ष शादी का प्रस्ताव रखा था। महिला ने शादीशुदा होने के कारण प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। शादी के प्रस्ताव से इनकार करने पर नाराज युवक ने मासूम बेटी के सामने ही महिला पैर, हाथ, पीठ और कमर में आधा दर्जन प्रहार किए। महिला के बेहोश होने पर बच्ची जोर-जोर से रोने लगी। उसकी आवाज सुनकर लोग एकत्र हुए तो आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने सूचना मिलने पर घायल महिला को 108 एम्बुलेंस से उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। विवेचना में कविता और नमन दो साल से परिचित थे। महिला की मंगलवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने फरार आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश के लिए तीन पुलिस टीम का गठन किया गया है।

रेत माफिया बेलगाम! एसडीएम के सामने धमकी, तहसीलदार से कहा- जान से मार दूंगा

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव क्षेत्र में रेत माफियाओं के हौसले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। पिछले दो महीनों में यह दूसरी बड़ी घटना है, जब प्रशासनिक अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान धमकाया गया। मंगलवार को सरगम गोलाई क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन की शिकायत पर पहुंचे राजस्व अमले को खुलेआम धमकियों का सामना करना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान एक ट्रैक्टर ट्रॉली (क्रमांक एमपी 28 जेडबी 5476) को अवैध रेत परिवहन करते पकड़ा गया। इस ट्रैक्टर को दीपक यादव चला रहा था, जबकि ट्रैक्टर का स्वामित्व महताब खान (पिता मकबूल खान) का बताया गया है। जब्त किए जाने के बाद ट्रैक्टर को पुलिस अभिरक्षा में जुन्नारदेव थाने में खड़ा करवाया गया। कार्यवाही के दौरान, सलमान खान नामक व्यक्ति ने नायब तहसीलदार मोहित बोरकर को खुलेआम जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद, प्रशासन ने तत्काल धारा 151 के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसी तरह की एक घटना तामिया क्षेत्र में भी हो चुकी है। कुछ समय पहले जब महिला खनिज अधिकारी स्नेहलता ठवरे अवैध रेत उत्खनन की जांच के लिए पहुंचीं, तो वहां माफियाओं ने उन पर पत्थरबाजी शुरू कर दी थी। उन्होंने इस मामले की शिकायत तामिया थाने में दर्ज कराई थी, लेकिन डेढ़ महीने बीत जाने के बावजूद अब तक किसी पर कार्रवाई नहीं हुई।

लापता नाबालिग को तलाशने एमपी और यूपी पुलिस गठित करें संयुक्त टीम, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

जबलपुर। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने लापता किशोर को तलाशने के लिए मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक से संयुक्त पुलिस टीम गठित करने का अनुरोध किया है। युगलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि सात दिनों आदेश पर कार्यवाही की जाए। युगलपीठ ने दादा की तरफ से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई करते हुए उक्त आदेश जारी किएलापता नाबालिग को तलाशने एमपी और यूपी पुलिस गठित करें संयुक्त टीम, हाईकोर्ट ने दिया आदेश जबलपुर के ग्राम निवासी मोहनिया निवासी मुकेश श्रीपाल की तरफ से बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई है। इसमें कहा गया था कि पड़ोस में रहने वाले शिवकुमार गुप्ता की बेटी खुशबू का विवाह अनिल डोंगरे निवासी मऊरानीपुर झांसी में हुआ था। दीपावली के बाद पड़ोसी के कहने पर उसके 15 वर्षीय नाबालिग नाती को दुकान का काम सीखने के लिए उसकी बेटी व दामाद के पास भेज दिया था। परिजनों की नाबालिग किशोर की बात 15 फरवरी तक होती रही। इसके बाद अचानक उसका मोबाइल बंद हो गया। संपर्क नहीं होने के कारण परिजन झांसी गए, परंतु वह नहीं मिला। नाबालिग के गायब होने की शिकायत उनके द्वारा पुलिस को दी गई। इसके दूसरे दिन अनिल डोगरे ने नाबालिग के लापता होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। नाबालिग नाती की तलाश पुलिस अभी तक नहीं कर पाई है। इसके कारण उक्त बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई है। युगलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि विशिष्ट तथ्यों को देखते हुए कि दो राज्यों के पुलिस से संबंधित मामला है। मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक से अनुरोध है कि गुमशुदा की तलाश के लिए संयुक्त प्रयास करने हेतु एक टीम गठित करें। संयुक्त टीम का गठन सात दिनों में किया जाए। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता अभिषेक ऋषि ने पैरवी की।

एम्स प्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल जहां ब्रेन डेड मरीज का हुआ अंगदान, 3 लोगों को मिला नया जीवन

सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल हो गए थे शंकर लाल

भोपाल ■

राजधानी भोपाल स्तिथ एम्स लगातार स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार कर रहा है। इस कड़ी में एम्स ने बुधवार को अपना पहला 'कैडेवर ऑर्गन डोनेशन' सफलतापूर्वक किया। एम्स भोपाल प्रदेश का ऐसा पहला सरकारी अस्पताल बन गया है, जहां किसी ब्रेन डेड मरीज के अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन हार्वेस्ट) के लिए निकाले गए। ओबेदुल्लागंज के 60 वर्षीय शंकर लाल कुबरे ने मौत के बाद तीन लोगों की जिंदगी दी है।

डोनर, ओबेदुल्लागंज निवासी 60 वर्षीय पुरुष, एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से सिर में घायल हो गए थे। गहन उपचार के बावजूद, उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इसके पश्चात, उनके परिवार पत्नी, दो पुत्र एवं एक पुत्री ने अपार मानवता और साहस का परिचय देते हुए उनके अंग दान करने का निर्णय लिया, जिससे कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन में आशा की नई किरण जागी।

ऐसे चली पूरी प्रक्रिया

27 मई को राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार ब्रेन डेड सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी की गई, जिसका संचालन ब्रेन डेड कमेटी के सदस्य डॉ अमित अग्रवाल, डॉ मयंक दीक्षित, डॉ सुमित राज एवं डॉ ज्योत्सना कुब्रे द्वारा किया गया। इस प्रक्रिया के अंतर्गत हृदय एवं दोनों गुर्दे सफलतापूर्वक निकाले गए। इनमें से हृदय तथा एक गुर्दे का प्रत्यारोपण एम्स भोपाल में ही किया गया, जबकि दूसरे गुर्दे को सोट्टो के माध्यम से बंसल अस्पताल, भोपाल को आवंटित किया गया।

लम्बे समय से कर रहे थे प्रयास

जानकारी के लिए बतादें कि एम्स भोपाल में पिछले एक साल से 'कैडेवर डोनेशन' (ब्रेन डेड व्यक्ति के अंगदान) के प्रयास चल रहे थे। इसके लिए एक टीम भी बनाई गई है, जो ब्रेन डेड हुए हर मरीज के परिजनों को अंगदान के लिए प्रेरित करती है। अब तक 31 ऐसे प्रयास असफल रहे थे, लेकिन शंकर लाल कुबरे का परिवार 32वां प्रयास था, जो सफल रहा।

परिवार के लिए गर्व की बात

शंकर लाल कुबरे की पत्नी ने भावुक होकर कहा कि यदि मेरे पति जाते-जाते किसी की जिंदगी बचा रहे हैं, तो यह हमारे लिए गर्व की बात है। अंगदान की बात सुनते ही आक्रोशित हो जाते हैं, लेकिन शंकर कुबरे के दोनों बेटों, बेटी और उनकी पत्नी ने इंसानियत को सबसे ऊपर रखा।

उल्टी करते समय ट्रेन से गिरी नवविवाहिता

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी में एक नवविवाहिता चलती ट्रेन से गिर गई। जैसे ही पति को पत्नी के ट्रेन से गिरने का पता चला तो उसने किसी तरह चेन खींचकर ट्रेन को रूकवाया और फिर करीब एक किमी. अंधेरे में पैदल चलकर पत्नी के पास पहुंचा लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। अंधेर में पति ने पत्नी के शव को कंधे पर उठाया और करीब आधा किमी. पैदल चलकर आया लेकिन किसी ने कोई मदद नहीं की। बाद में किसी तरह वो पत्नी को लेकर अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्वालियर के रहने वाले एडवोकेट विकास जोशी की शादी 16 अप्रैल 2025 को उरई जालौन की रहने वाली शिवानी शर्मा से हुई थी। शिवानी एलएलबी की छात्रा थी और हाल ही में वह अपनी परीक्षा देने पति के साथ उरई गई थी।

ग्वालियर से वाया गुना होते हुए बेंगलुरू तक चलेगी नई ट्रेन

ग्वालियर ■

मध्यप्रदेश के ग्वालियर व गुना जिले के रहवासियों के लिए राहत भरी खबर है। जल्द ही ग्वालियर से वाया गुना होते हुए बेंगलुरू के लिए नई ट्रेन चलेगी। रेल मंत्रालय ने ग्वालियर से बेंगलुरू के बीच नई ट्रेन को चलाने की मंजूरी बुधवार को दे दी है। नई ट्रेन की सौगात मिलने पर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक्स पर पोस्ट कर रेल मंत्रालय व रेल मंत्री का आभार जताया है।

ग्वालियर से वाया गुना होते हुए बेंगलुरू के बीच नई ट्रेन चलाने को मंजूरी मिलने के बाद गुना शिवपुरी सांसद व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। इसमें सिंधिया ने लिखा है- गुना-बेंगलुरु के बीच जल्द दौड़ेगी नई रेलगाड़ी...मेरे विशेष अनुरोध पर गुना से बेंगलुरु के लिए नई रेलगाड़ी के परिचालन को मंजूरी प्रदान करने के लिए @रेलमिनईंडिया का हार्दिक धन्यवाद। ग्वालियर-चंबल के यात्रियों द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही मांग को पूरा करने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री श्री @अश्विनी वैष्णव का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। सिंधिया ने आगे लिखा है- गुना क्षेत्र के यात्री विशेषकर बेंगलुरु में कार्यरत मेरे युवा साथी जल्द ही इस रेल सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। नई ट्रेन को मंजूरी देते हुए रेल मंत्रालय की ओर से जो लेटर जारी किया गया है बेंगलुरू से ग्वालियर वाया गुना के लिए नई ट्रेन संख्या 11085/11086 के परिचालन को स्वीकृत कर दिया गया है। हालांकि नई ट्रेन का संचालन कब से शुरू होगा और इस ट्रेन का स्टॉपेज किन किन स्टेशन पर होगा इसके संबंध में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

सीएम की पाठशाला': महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में लगाई क्लास, देवी अहिल्या और दुर्गावती का जिक्र कर भरा जोश

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भोपाल स्थित महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से संवाद करते हुए 'सीएम की पाठशाला' कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से राष्ट्रभक्ति, नारी सशक्तिकरण और मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक महिला व्यक्तित्वों महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन संघर्ष और योगदान पर विस्तार से चर्चा की।मुख्यमंत्री ने कहा कि 'भारत में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार प्राप्त थे और आज भी सशक्त हैं जब उन्हें सर्वाधिक अधिकार मिले हैं। उन्होंने महारानी दुर्गावती के पराक्रम की चर्चा करते हुए बताया कि उन्होंने अकबर की सेना से युद्ध करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। साथ ही जबलपुर में आधारताल और मदन महल जैसे स्थापत्य व जल संरक्षण प्रणाली का निर्माण कराया, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री ने देवी अहिल्याबाई होल्कर की शासन व्यवस्था, सामाजिक सुधारों और धार्मिक स्थलों के निर्माण को अद्वितीय बताते हुए कहा कि उन्होंने 28 वर्षों तक कुशल प्रशासन चलाया, विधवा विवाह को प्रोत्साहित किया और महेश्वरी साड़ियों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया। डॉ. यादव ने बताया कि 31 मई को देवी अहिल्याबाई का 300वां जन्मवर्ष है और इस उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होंगे। उन्होंने छात्राओं से इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की। मुख्यमंत्री ने छात्राओं द्वारा 'होलिस्टिक अपस्किलिंग नारी शक्ति प्रोजेक्ट' के तहत बनाए गए चीनी मिट्टी के उत्पादों, डिजाइनर कपड़ों व अन्य नवाचारों की सराहना की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी, समाजसेवी रवींद्र यति, प्राचार्य राव सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

लाड़ली बहनों को मिलेंगे 3 हजार रुपए सीएम मोहन यादव ने किया बड़ा ऐलान

बेतुल ■

मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना की राशि जल्द ही बढ़ाई जा सकती है। खुद सीएम मोहन यादव ने इसके संकेत दिए। उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि लाड़ली बहनों को हर माह 3 हजार रुपए मिलेंगे। हालांकि इसके लिए उन्होंने समय सीमा का भी जिक्र किया। सीएम मोहन यादव ने प्रदेश के बैतूल जिले के आदिवासी बाहुल्य इलाके सारणी में आयोजित कार्यक्रम में ये बातें कहीं। कार्यक्रम में उन्होंने 465 करोड़ के कामों का लोकार्पण भी किया। इसके साथ ही बैतूल जिले की विकास पुस्तिका भी लोकार्पित की। सीएम मोहन यादव ने कार्यक्रम में लोकमाता अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर देश, प्रदेश, समाज और सनातन धर्म के ?प्रति उनके योगदान को रेखांकित किया। सारणी में बुधवार को स्व सहायता समूहों का सम्मेलन हुआ। इस अवसर पर अलग अलग योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 463.55 करोड़ विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में बैतूल जिले के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के स्टार्टअप कंपनियों में 8.5 करोड रुपए के निवेश संबंधी पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव ने महिलाओं, युवतियों, बच्चियों के लिए चलाई जा रही योजनाएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि कॉपी-किताब से लेकर साइकिल और स्कूटी तक मुफ्त दी जा रही हैं। महिलाओं के लिए रोजगार के अनेक नए अवसर मुहैया कराए जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि प्रदेश में कई नई फैक्टरियां लगाई जा रही हैं जहां महिलाएं भी काम करेंगी। सीएम मोहन यादव ने यहां लाड़ली बहना योजना का जिक्र करते हुए बड़ा ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने इसकी राशि बढ़ाकर 3 हजार रुपए करने की घोषणा की।

टूटेंगे सारे रिकॉर्ड... एमपी में तय तारीख से 6 दिन पहले एंट्री लेगा मानसून

ग्वालियर ■

मध्यप्रदेश के कई जिलों में प्री-मानसून गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। एक ओमर भोपाल, इंदौर, देवास जैसे कई जिलों में तेज आंधी बारिश का दौर जारी है। वहीं दूसरी ओर ग्वालियर में लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। नौतपा के दो दिन तापमान में कमी के बाद अब दिन का तापमान 40 डिग्री पार हो गया है। दोपहर में तापमान तेजी से बढ़ा।

दिन में कई बार हल्के बादल आने से पारा ज्यादा नहीं बढ़ सका। इसके बावजूद भी नौतपा के तीन दिनों में अब तापमान बढने. लगा है। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि इस बार समय से पूर्व मानसून आने की संभावना बन रही है। इसके चलते जून के महीने में सामान्य से ज्यादा बारिश भी हो सकती है।

कई जिलों में बारिश अलर्ट- मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, दमोह, मंडला, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सागर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सीहोर, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, राजगढ़, आगर-मालवा, मैहर, मऊगंज, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी और नीमच में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

कब आएगा मानसून- इस बार केरल में मानसून ने समय से पहले एंट्री ली है। मध्य प्रदेश में भी मानसून समय से पहले दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग ने 10 जून तक एमपी में मानसून पहुंचने की संभावना जताई है। सामान्य तौर पर यह 16 जून तक प्रदेश में प्रवेश करता है। इस साल एमपी में 106 प्रतिशत बारिश होने का भी अनुमान है।

अंधड़, बारिश और चेतावनी: बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

योगेश गोयल
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

24-25 मई की रात उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी रात बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है। एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं।

हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूर्वानुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई। केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर निमार्णाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निमार्णाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया। जगह-जगह सैंकड़ों पेड़ उखड़ गए, जिससे कई जगहों पर सड़कों का संपर्क टूट गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने की घटना भी सामने आई, जहां सात वाहन बह गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। पंजाब में वर्षाजनित हादसों में कुछ लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई। खेतों में काम कर रहे किसान तेज आंधी की चपेट में आ गए। इससे पहले 21 मई को भी शाम के समय अचानक दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया था और अचानक बदले मौसम के बीच भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई थी। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि नोएडा, गाजियाबाद सहित देश के कई राज्यों में लोगों के लिए मुसीबत बन गया था। उस दौरान हुए हादसों में 7 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि देशभर में करीब 26 लोगों की मौत होने की सूचना मिली थी। इस साल मई महीने की शुरूआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि उस समय भी लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई थी लेकिन इस बार मई के अंत में आया यह तूफान कहीं अधिक गंभीर और व्यापक प्रभाव वाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब केवल सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहरे संकेत हैं। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन अब मौसम चक्रों को अस्थिर कर रहा है। ह्यशहरी हीट आइलैंडह्ल प्रभाव के चलते रात के तापमान में गिरावट नहीं होती और वातावरण की ऊष्मा बढ़ती जाती है। कंक्रीट, एस्फाल्ट और अन्य मानव निर्मित सतहें सूरज की ऊष्मा को अवशोषित कर लेती हैं और धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं, जिससे रात में भी वातावरण गर्म बना रहता है। 2 मई की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सामान्यतः ऐसी बारिश के बाद तापमान 18-20 डिग्री तक गिर जाता है। मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी विक्षोभ से टकराती हैं तो वह एक संगठित मौसमी प्रणाली का निर्माण करती हैं, जिससे उत्तर भारत में भारी वर्षा, तेज हवाएं और ओलावृष्टि होती है। यह आमतौर पर मानसून के मध्य चरणों में होता है लेकिन मई की शुरूआत में या मई के अंतिम सप्ताह में इस प्रकार की घटनाएं असामान्य हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि मौसमी प्रवृत्तियों की दिशा अब बदल रही है। कृषि क्षेत्र पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस समय अधिकांश क्षेत्रों में मूंग, सब्जियां, तरबूज, खरबूजा और अन्य ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती होती हैं। तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बारिश इन फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। बिहार, हरियाणा और राजस्थान के किसानों ने फलों और सब्जियों के खराब होने की शिकायत की है। इससे न केवल किसानों की आमदनी प्रभावित होती है बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और खुदरा बाजारों में कीमतों पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन का असर अब हिमालय क्षेत्र में भी गहराई से महसूस किया जा रहा है। बर्फबारी का स्तर 23 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है, जिससे हिमालय की नदियों पर निर्भर करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। आईपीसीसी की छठी आकलन रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपमहाद्वीप में मौसम अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और अस्थिर हो गया है। असामान्य तूफान, बेमौसम बारिश और अचानक तापमान में बदलाव, यह सभी इस बात के संकेत हैं कि जलवायु अब अपने पुराने स्वरूप से हट चुकी है। वर्तमान स्थिति में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और आम नागरिकों के लिए यह एक गंभीर चेतावनी है। अब समय आ गया है कि हम जलवायु परिवर्तन को केवल वैज्ञानिक बहस का विषय न मानें बल्कि इसे सार्वजनिक नीति और व्यक्तिगत जीवनशैली में भी प्राथमिकता दें। भारत को अब मौसम विज्ञान, कृषि, जल संरक्षण, ऊर्जा नीति और शहरी नियोजन को आपस में जोड़ते हुए एक समग्र रणनीति बनानी होगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भी अपनी रणनीतियों को अद्यतन करना होगा। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों की जलवायु विशेषताओं के अनुसार अलग योजनाएं बनानी होंगी। दिल्ली-एनसीआर जैसे घने शहरी क्षेत्रों के लिए अलग मॉड्यूल हो जबकि हिमालयी क्षेत्रों के लिए भूस्खलन, बाढ़ और बर्फबारी पर केंद्रित योजनाएं हों। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए मौसम अनुकूल बीमा योजनाएं, सटीक पूर्वानुमान सेवाएं और प्राकृतिक आपदाओं से पहले सतर्कता की विश्वसनीय प्रणाली विकसित करनी होगी। बहरहाल, दिल्ली और उत्तर भारत में अचानक और तीव्र रूप से बदलता मौसम अब कोई आश्चर्यजनक घटना नहीं रह गया है बल्कि यह एक चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह बदलाव हमें और अधिक विनाशकारी परिस्थितियों की ओर ले जा सकता है। यह समय है जब नीति निर्धारक, वैज्ञानिक और आमजन एकजुट होकर जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान निकालें। 24-25 मई की रात उत्तर भारत में आया तूफान न केवल भौतिक रूप से तबाही का प्रतीक था बल्कि यह जलवायु संकट की उस गंभीरता का द्योतक भी था, जिससे हम सब प्रभावित हो रहे हैं। यदि आने वाले समय में ऐसी घटनाएं बढ़ती हैं तो इससे न केवल हमारी जीवनशैली प्रभावित होगी बल्कि भारत की कृषि, अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन भी खतरे में पड़ सकता है। इसलिए हमें सतर्क रहना होगा, तैयारी करनी होगी और प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलना होगा, तभी हम सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

हिन्दुस्तानी छात्रों से अमेरिका को अरबों की कमाई

अमेरिका में 11 लाख से ज्यादा विदेशी छात्र पढ़ाई करने के लिए जाते हैं। इसमें लगभग 60 फीसदी भारतीय छात्र होते हैं। इन छात्रों द्वारा लाखों रुपए की फीस अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को दी जाती है। विदेशी छात्रों की फीस से अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को लाखों करोड़ों रुपए प्रतिवर्ष की कमाई होती है। डोनाल्ड ट्रंप जब से अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने विदेशियों के बारे में जो राय बनाई है। उसके कारण अमेरिका का शैक्षणिक जगत समाप्त होने की कगार पर पहुंच रहा है। अमेरिका के शिक्षण संस्थानों के ऊपर डोनाल्ड ट्रंप की टेडी नजर है। ट्रम्प के कारण अमेरिका को आगे चलकर बहुत बड़ा नुकसान होने वाला है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का सारी दुनिया में नाम है। यहां पर एडमिशन लेने के लिए दुनिया के सभी देशों से बच्चे यहां आकर पढ़ना चाहते हैं। ट्रंप प्रशासन ने विदेशी छात्रों के प्रवेश पर रोक लगा दी। हालांकि अमेरिका के न्यायालय ने ट्रंप के आदेश को रद्द कर दिया है, लेकिन यह खतरा अभी टला नहीं है। ट्रंप सरकार का रवैया विदेशियों के लिए बहुत आक्रामक और अपमानजनक है। ट्रंप के रूख और फैसलों को देखते हुए, अब सारी दुनिया के देशों से अमेरिका में पढ़ने के लिए जो छात्र आते थे। उनकी संख्या में इस साल भारी गिरावट आई है। हाल ही में ट्रंप प्रशासन द्वारा विदेशी छात्रों के साथ जिस तरह की प्रताड़ना की जा रही है। छात्रों को अनाप-शनाप आरोपों में अमेरिका से निष्कासित किया जा रहा है। उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया भारत सहित दुनिया के देशों में हुई है। ट्रंप सरकार का कहना है, अमेरिकी के विश्वविद्यालयों में यहूदी विरोधी नीतियां चलाई जा रही हैं। ट्रंप प्रशासन की इस कार्रवाई को अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। अमेरिका में यह आजादी अब खत्म होती दिखने लगी है। अमेरिका में सबसे ज्यादा छात्र भारत से पढ़ने के लिए जाते हैं। अमेरिका की जितनी भी यूनिवर्सिटी हैं, वह भारतीय विदेशी छात्रों के बल पर चल रही हैं। कई विश्वविद्यालय में 24 फीसदी से लेकर 51 फीसदी तक विदेशी छात्र महंगी फीस देकर पढ़ रहे है। यह विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों के बल पर चल रहे हैं। अमेरिकी छात्रों की तुलना में विदेशी छात्रों से ज्यादा फीस वसूल की जाती है। पिछले 4 महीने में ट्रंप प्रशासन द्वारा जिस तरह से शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाया गया है। विदेशी छात्रों पर प्रताड़ना की कार्रवाई की जा रही है। उसको लेकर अमेरिका की साख दुनिया भर के देशों में अमेरिका के इतिहास में सबसे ज्यादा खराब हुई है। यदि यही हाल रहा तो अमेरिका के विश्वविद्यालय आर्थिक संकट के कारण स्वयं बंद हो जाएंगे। अमेरिकी सरकार ने विश्वविद्यालयों को मिलने वाले अनुदान में कटौती की है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय का तो पूरा अनुदान ही बंद कर दिया है। अमेरिका के सारे विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों के बल पर चल रहे थे। यदि विदेशी छात्र नहीं आएंगे, तो अमेरिका के शिक्षण संस्थान बंद होंगे। इसके साथ-साथ अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को लगभग 3.65 लाख करोड रुपए जो फीस के रूप में एकत्रित होते थे। इससे दो गुना ज्यादा राशि विदेशी छात्रों द्वारा अमेरिका में खर्च की जाती थी, अमेरिका को बड़ा आर्थिक नुकसान होना तय माना जा रहा है। अमेरिका इस समय सबसे बड़े कर्ज के दबाव से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही हाथों से अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसे समय पर भारत में शिक्षण संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाने के लिए भारत सरकार को स्वायता देने की जरूरत है। भारत में पढ़ाई और रिसर्च के लिये यदि अच्छे संस्थान विकसित किए जाते हैं। ऐसी दशा में भारतीय छात्रों को अमेरिका और यूरोप के देशों में इतनी बड़ी संख्या में पढ़ने के लिए नहीं जाना पड़ेगा। भारत के लिए एक अवसर है, अमेरिका में अभी जो चल रहा है, उसका लाभ भारत की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये किया जाये। ताकि भारतीय बच्चों का शिक्षा के लिये विदेश जाना कम हो। इससे भारत को विदेशी मुद्रा की बचत होगी। वहीं भारतीय अर्थ-व्यवस्था बेहतर बनाया जा सकेगा।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

महाराणा प्रतापः शौर्य, बलिदान एवं साहस का अमिट आलेख

- ललित गर्ग - | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

हमारा देश भारत जिसे आस्था और विश्वास, शौर्य एवं शक्ति, बहादुरी और साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की वीरभूमि कहा जाता है, जहां की सभ्यता और संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति में शुमार है, जिसका अनुसरण संपूर्ण विश्व करता है। भारत की भूमि महान योद्धाओं की भूमि रही है, जिन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही एक वीर एवं साहसिक योद्धा एवं सच्चे भारतीय महानायक थे महाराणा प्रताप, जो राजपूतों के सिसोदिया वंश से संबंध रखते थे। महाराणा को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी अकबर के सामने समर्पण नहीं किया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के विरुद्ध उनके प्रबल प्रतिरोध ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की विशाल सेना का सामना करते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, वह आज भी शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है। उनके जीवन की घटनाएं गौरवमय इतिहास बनी है। वे एकलौते ऐसे महान-राजपूत योद्धा थे, जिन्होंने अकबर को चुनौती देने का साहस ही नहीं दिखाया बल्कि युद्ध के मैदान में लोहे के चने चबवाये। महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली थी।

उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया। दोनों सेनाओं के बीच गोगुडा के नजदीक अरावली पहाड़ी की हल्दीघाटी शाखा के बीच यह युद्ध हुआ। इस लड़ाई को हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा प्रताप के पास जुझारू शक्ति की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने आखिरी समय तक अकबर से संधि की बात स्वीकार नहीं की और मान-सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करते हुए लड़ाइयां लड़ते रहे।

इस युद्ध में उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी वीरगति को प्राप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और युद्ध जारी रखा। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ पर अपना अधिकार स्थापित करने की भरपूर कोशिश की। लेकिन महाराणा प्रताप ने कभी भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और जीवन भर मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहे। उनका परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहा। वे कई सालों तक जंगलों, गुफाओं और पहाड़ियों में रहे। उन्होंने पेड़ों की छाल से बने साधारण कपड़े पहने और जंगली फल और जड़ें खाईं। उनकी पत्नी और बच्चे कभी-कभी घास की रोटी खाते थे। फिर भी, उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया या मुगलों के साथ समझौता नहीं किया। उनके शौर्य और वीरता की कहानी को आज भी बहुत ही गर्व के साथ याद किया जाता है। राजस्थानी भाषा के ख्यात कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध राजस्थानी कविता पातल और पीथल हल्दीघाटी युद्ध के बाद की घटनाओं पर आधारित राणा प्रताप के जीवन में आई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को दशार्ती है। आजाद भारत में महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों के त्याग एवं बलिदान, शौर्य एवं पराक्रम को विस्मृत करने की चेष्टायें व्यापक पैमाने पर हुई है। हमने इन असली महानायकों को भूलाकर अकबर एवं औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को नायक बनाने की भारी भूल की है, नायक अकबर नहीं महाराणा प्रताप हैं, उन्होंने औरंगजेब को घुटने टेकने पर मजबूर किया और घुट-घुट कर मरने पर मजबूर किया। सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश करने वाले भारत के नायक कैसे हो सकते? अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं एवं हिन्दू राष्ट्र के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी- भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचना एवं भारत की समृद्ध विरासत को लूटना। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। ये राष्ट्रनायक हमारी असली प्रेरणा हैं। भारतीय इतिहास में जितनी महाराणा प्रताप की बहादुरी की चर्चा हुई है, उतनी ही प्रशंसा उनके घोड़े चेतक को भी मिली। कहा जाता है कि चेतक कई फीट ऊंचे हाथी के मस्तक तक उछल सकता था। कुछ लोकगीतों के अलावा हिन्दी कवि श्यामनारायण पांडेय की वीर रस कविता चेतक की वीरता में उसकी बहादुरी की खूब तारीफ की गई है। जब मुगल सेना महाराणा के पीछे लगी थी, तब चेतक उन्हें अपनी पीठ पर लादकर 26 फीट लंबे नाले को लांघ गया, जिसे मुगल फौज का कोई घुड़सवार पार न कर सका। मेवाड़ की जनजाति भील कहलाती है। भीलों ने हमेशा हर संकट एवं संघर्ष के क्षणों में महाराणा प्रताप साथ दिया। एक किवदंती है कि महाराणा प्रताप ने अपने वंशजों को वचन दिया था कि जब तक वह चित्तौड़ वापस हासिल नहीं कर लेते, तब तक वह पुआल यानी घास पर सोएंगे और पेड़ के पत्ते पर खाएंगे। आखिर तक महाराणा को चित्तौड़ वापस नहीं मिला। उनके वचन का मान रखते हुए आज भी कई राजपूत अपने खाने की प्लेट के नीचे एक पत्ता रखते हैं और बिस्तर के नीचे सूखी घास का तिनका रखते हैं। महाराणा प्रताप का बचपन भील समुदाय के साथ बिता, भीलों के साथ ही वे युद्ध कला सीखते थे, भील अपने पुत्र को कीका कहकर पुकारते है, इसलिए भील महाराणा को भी कीका नाम से पुकारते थे। महाराणा प्रताप का दिल और दिमाग ही नहीं, बल्कि उनका शरीर भी साहसी एवं लोह समान था। कहा जाता है कि महाराणा प्रताप 7 फीट 5 इंच लंबे थे। वह 110 किलोग्राम का कवच पहनते थे, वह 25-25 किलो की 2 तलवारों के दम पर किसी भी दुश्मन से लड़ जाते थे। महाराणा प्रताप एक महान पराक्रमी और युद्ध रणनीति कौशल में दक्ष थे। उन्होंने मुगलों के बार-बार हुए हमलों से मेवाड़ की रक्षा की। उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अपनी आन, बान और शान के साथ समझौता नहीं किया। उनको धन-दौलत की नहीं बल्कि मान-सम्मान की ज्यादा परवाह थी। अकबर के सामने महाराणा पूरे आत्मविश्वास से टिके रहे। एक ऐसा भी समय था, जब लगभग पूरा राजस्थान मुगल बादशाह अकबर के कब्जे में था, लेकिन महाराणा अपना मेवाड़ बचाने के लिए अकबर से 12 साल तक लड़ते रहे। महाराणा प्रताप के देशप्रेम, साहस एवं समर्पण ने उनके लोगों को प्रेरित किया। भामाशाह ने एक बार सेना के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए अपनी सारी बचत और सोना दान कर दिया। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में महाराणा प्रताप ने मुगलों से कई महत्वपूर्ण स्थानों को पुनः प्राप्त किया, जिनमें देवर, कुंभलगढ़, रणकपुर और चावंड शामिल हैं। उन्होंने चावंड को अपनी नई राजधानी बनाया और अपने राज्य की स्थिति को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने सड़कें, झीलें, मंदिर और सिंचाई प्रणालियाँ बनवाईं। महाराणा प्रताप सिर्फ योद्धा ही नहीं थे बल्कि एक अच्छे शासक भी थे। उन्होंने स्थानीय कला, कृषि और संस्कृति को महत्व दिया। उनका शासन न्याय और लोगों के कल्याण पर आधारित था। उनका निडर स्वभाव, दृढ़ता और अपनी भूमि के प्रति प्रेम उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान प्रतीकों में से एक बनाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि असली ताकत संख्या में नहीं, बल्कि चरित्र में होती है। वह अपनी बहादुरी, बलिदान और देशभक्ति के उदाहरण से पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल ?

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक ह्यअंक-उद्योगह्न में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है।

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही ह्यअंकवीरह्न छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दशार्ता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं। यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है। यहां तक की कोचिंग टाउन बन चुके शहर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और इंदौर इस अंक-उद्योग की सबसे बड़ी मिसाल हैं। यहां छोटे-छोटे बच्चों से लेकर स्नातक विद्यार्थी तक ह्यरैंक मशीनह्न बनने के लिए दिन-रात खप रहे हैं। यह एक सामाजिक दबाव का परिणाम है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में डॉक्टर-इंजीनियर बनने की लीक पर चलता है। वहीं दक्षिण भारत में शिक्षा के विविध विकल्पों, व्यावसायिक दक्षता और कौशल विकास को भी उतना ही महत्व मिलता है। यह सोच का फर्क है, जो वहां के छात्रों को तकनीकी और प्रशासनिक क्षेत्रों में मजबूत बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस अंक-उद्योग की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह छात्रों के भीतर सोचने, सवाल उठाने और नवाचार की प्रवृत्ति को कुचल देता है। शिक्षा का उद्देश्य विवेक, तर्क और संदेह की भावना का विकास था, पर अब यह केवल स्मृति और दोहराव पर आधारित हो गया है। मीडिया में टॉपर बच्चों के साक्षात्कार इस मानसिकता को और पुष्ट करते हैं, जहां दिन में 16 घंटे पढ़ना, दस साल के पेपर रटना और कई-कई किताबें घोंटना ही सफलता का मंत्र बताया जाता है। यह विचारणीय है कि क्या वास्तव में यही शिक्षा है? इस समस्या का समाधान केवल परीक्षा प्रणाली बदल देने से नहीं होगा। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक शिक्षा का यह विकृत रूप बना रहेगा। जब तक अभिभावक अंक को ही सफलता की कसौटी मानते रहेंगे, स्कूलों और शिक्षकों की प्राथमिकता भी वहीं रहेगी। जरूरत है एक नई शैक्षणिक संस्कृति की जहां असफलता को अवसर माना जाए, बच्चों की विविधता को अपनाया जाए और उन्हें आत्मविश्लेषण और आत्म-अनुशासन के मार्ग पर प्रेरित किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें की हैं, परंतु इन्हें जमीन पर लागू करना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है।

सोनम लववंशी
लेखिका
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा।

वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ - फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटीसी सहित दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवावी हावी रहने से आयी है। ये लगातार दूसरा दिन है जब बाजार में गिरावट आई है। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 239.31 अंकों 0.29 फीसदी नीचे आकर 81,312.32 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.75 अंक तकरीबन 0.30 फीसदी नीचे आकर 24,752.45 अंकों पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 11 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि अन्य 25 कंपनियों के शेयर नीचे आये हैं। निफ्टी की केवल 16 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर रहे। वहीं अन्य सभी 34 कंपनियों के शेयर नीचे आये हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि आईटीसी के शेयरों में 3.13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा एयरटेल व एनटीपीसी के शेयरों में भी हल्की गिरावट रही। सेंसेक्स में शामिल भारती एयरटेल के शेयर 0.58 फीसदी, एनटीपीसी 0.41 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.41 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.28 फीसदी, एसबीआई 0.27 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.15 फीसदी, इंफोसिस 0.14 फीसदी, एचसीएल टेक 0.09 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.04 फीसदी और टीसीएस के शेयर 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि इंडसइंड बैंक के शेयर 1.92फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.80फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.77फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.41फीसदी, पावरग्रिड 1.19फीसदी, एशियन पेंट्स 1.11फीसदी, सनफार्मा 1.01फीसदी, टेक महिंद्रा 0.95फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.91फीसदी, मारुति सुजुकी 0.83फीसदी, रिलायंस 0.62फीसदी, टाइटन 0.61फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.51फीसदी, टाटा स्टील 0.25फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.18फीसदी, एक्सिस बैंक 0.09फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.08फीसदी और एटरनल (जोमेटो) के शेयरों में 0.04फीसदी की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार ?गिरावट के साथ खुले। निफ्टी-50 24,832 अंक पर लगभग सपाट खुला। जबकि बीएसई सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 81,457 पर खुला। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। यह तेजी वॉल स्ट्रीट में बढ़त के चलते आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से यूरोपीय संघ के आयात पर 50 फीसदी टैरिफ की समय सीमा को 9 जुलाई तक बढ़ाए जाने के बाद निवेशकों की धारणा में सुधार हुआ। निक्केई में 0.69 फीसदी की वृद्धि हुई। । कोस्पी में 1.42 फीसदी की वृद्धि हुई और एएसएक्स 200 में 0.4 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार अमेरिका में रात भर तीनों प्रमुख इंडेक्स मजबूती के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स में 1.78 फीसदी का उछाल आया। एसएंडपी 500 में 2.05 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई और नैस्डैक कंपोजिट में 2.47 फीसदी का उछाल आया।

रुपया 23 पैसे टूटकर 85.63 डॉलर पर खुला

मुंबई। विदेशी मुद्रा के मजबूत होने और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की वजह स रुपया बुधवार को शुरूआती कारोबार में 23 पैसे टूटकर 85.63 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि महीने के अंत में निर्यातकों एवं बैंकों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने से स्थानीय मुद्रा दबाव पड़ा। वहीं घरेलू शेयर बाजारों में मिश्रित धारणा के बीच विदेशी निधि प्रवाह भी धीमा रहा। इसके अलावा निवेशक घरेलू एवं वैश्विक वृहद आर्थिक आंकड़ों से संकेत की प्रतीक्षा में सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.59 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 85.71 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया। इसके बाद वह डॉलर के मुकाबले 85.63 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 23 पैसे की गिरावट दशार्ता है। रुपया मंगलवार को डॉलर के मुकाबले 85.40 पर बंद हुआ था।

घरेलू बाजार में सोने का भाव 95,300 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 98,000 रुपए

नई दिल्ली ■

घरेलू बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरूआत बुधवार के कारोबारी दिन तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,300 रुपये, जबकि चांदी के भाव 98,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना नरमी,जबकि चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 144 रुपये की तेजी के साथ 95,287 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,143 रुपये था। इस समय यह 157 रुपये की तेजी के साथ 95,300 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 274 रुपये की तेजी के साथ 97,749 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 97,475 रुपये था। इस समय यह 506 रुपये की तेजी के साथ 97,981 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में नरमी और चांदी के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,300.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,300.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 3.20 डॉलर की गिरावट के साथ 3,297.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.38 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.31 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 33.41 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

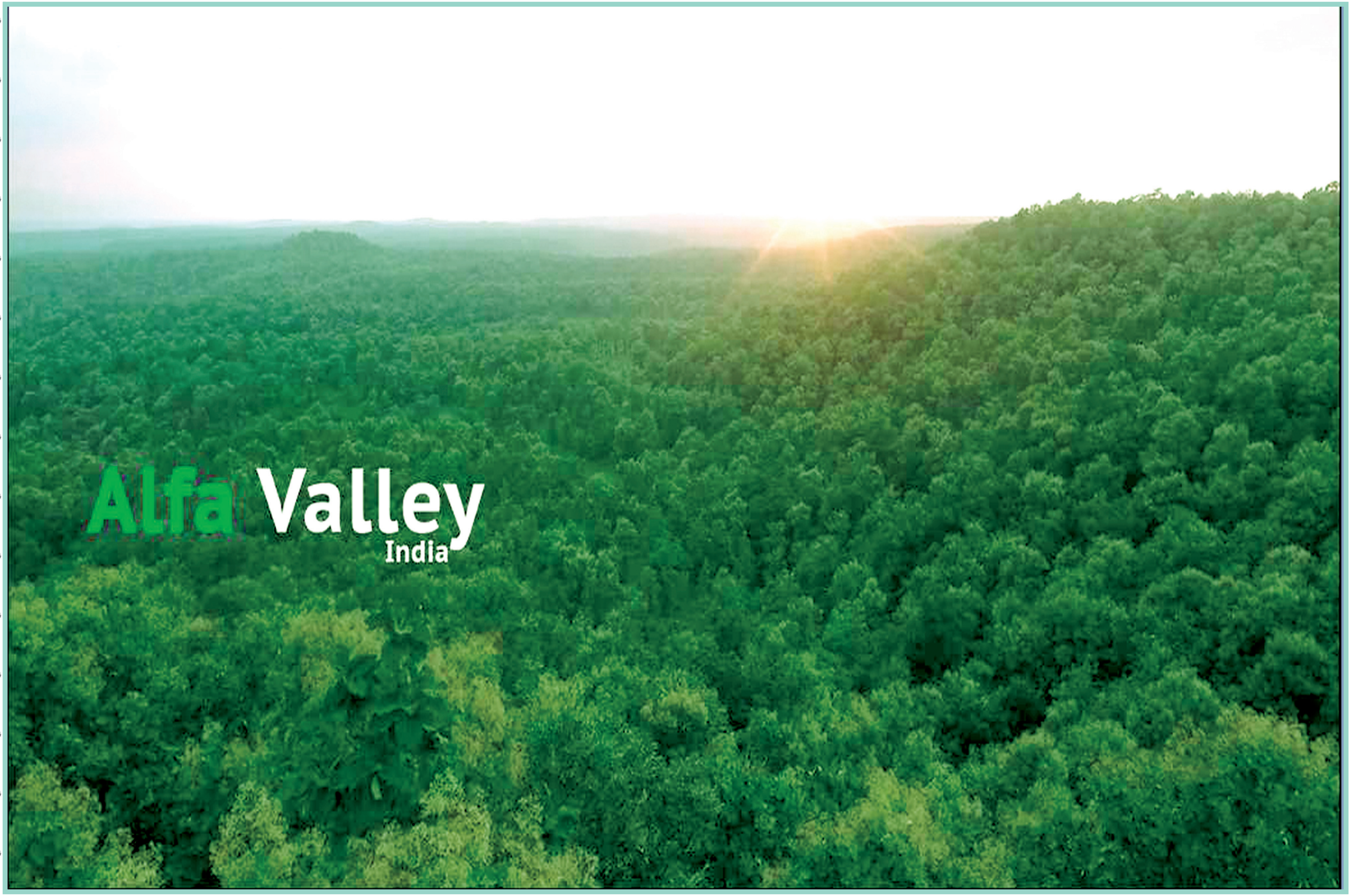

Alfa Valley
India

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप :4×400 मीटर मिक्स्ड रिले से भारत को दूसरा गोल्ड

डेकाथलॉन में तेजस्विन को सिल्वर, कुल मेडल 8 हुए

साउथ कोरिया ■ एजेंसी

भारत की 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले टीम ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। साउथ कोरिया में हो रहे टूर्नामेंट में रूपल चौधरी, संतोष कुमार, विशाल टीके और सुभा वेंकटेशन की भारतीय चौकड़ी ने 3 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ टॉप स्थान हासिल किया। इनमें से रूपल ने दिन की शुरुआत में इंडिविजुअल विमेंस 400 मीटर में सिल्वर मेडल भी जीता।

चीन की टीम दूसरे स्थान पर रही

4×400 मीटर मिक्स्ड रिले में चीन की टीम 3 मिनट 20 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रही। टीम को सिल्वर मेडल मिला। जबकि श्रीलंका ने 3 मिनट के 21.95 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता।इससे पहले, रूपल ने 400 मीटर और पूजा ने 1500 मीटर में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। यूनुस शाह ने मेंस की 1500 मीटर में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

डेकाथलॉन में तेजस्विन ने सिल्वर जीता

डेकाथलॉन, जिसमें 10 गेम होते हैं। इसमें तेजस्विन शंकर ने भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता। वे 10वें रेगुलेशन इवेंट के बाद 7618 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे चीन के फेई जियांग (7634) से पीछे और जापान के कीसुके ओकुडा (7602) से आगे रहे। प्रवीण चित्रावेल ने भी मेंस ट्रिपल जंप में 16.90 मीटर के बेस्ट परफॉरमेंस के साथ सिल्वर मेडल जीता।

गुलवीर सिंह ने पहला गोल्ड दिलाया

मंगलवार को नेशनल रिकॉर्ड होल्डर गुलवीर सिंह ने 10,000 मीटर में गोल्ड जीता। यह इस एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का पहला गोल्ड था। पूजा ने महिलाओं की 1500 मीटर में 4 मिनट 10 सेकेंड का समय लेकर एक और सिल्वर मेडल जीता। वहीं दिल्ली की लिली दास इस रेस में चौथे स्थान पर रही। चीन की ली चुनहुई ने स्वर्ण पदक जीता।

भारत ने अब तक 8 मेडल जीते

भारत 26वें एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अब तक अलग-अलग कॉम्पटीशन में 8 मेडल जीत चुका है। पॉइंट्स टेबल में देश तीसरे पायदान पर हैं। भारत ने 2 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज जीते हैं। इससे पहले 2023 सीजन में भी भारत ने 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले में गोल्ड मेडल जीता था। इसमें आज जीतने वाली टीम से सुभा वेंकटेशन हिस्सा थी।

बीसीसीआई : फिर से टीम इंडिया के फील्डिंग कोच बने टी दिलीप

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच के रूप में टी. दिलीप की वापसी हो गई है. बीसीसीआई ने उन्हें फिर से यह जिम्मेदारी सौंप दी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिलीप को एक साल का नया कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है और वे इंग्लैंड दौरे पर टीम के साथ होंगे, जो अगले महीने से शुरू हो रहा है.

दिलचस्प बात यह है कि दिलीप को पिछले ही महीने कोचिंग स्टाफ में फेरबदल के दौरान हटा दिया गया था. लेकिन अब उनकी वापसी रोहित शर्मा के अनुरोध पर हुई है. इस फैसले को लेकर बीसीसीआई की ओर से आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है. टी. दिलीप को 2021 में भारतीय टीम का फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया था. उन्होंने आर. श्रीधर की जगह ली थी और पिछले तीन वर्षों में टीम के फील्डिंग स्तर में लगातार सुधार देखने को मिला. हालांकि, टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद उनके कार्यकाल की समयसीमा खत्म हो गई थी. उन्हें मार्च 2025 तक एक्सटेंशन मिला था, लेकिन इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अचानक हटा दिया गया. उनकी जगह असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेस्काटे को अंतरिम रूप से फील्डिंग ड्यूटी सौंपी गई थी. लेकिन अब वही टेन डेस्काटे सहायक भूमिका में लौटेंगे और दिलीप एक बार फिर से मुख्य फील्डिंग कोच होंगे.

शर्मा ने दिलवाया 'रीकॉल'

सूत्रों के मुताबिक, दिलीप की वापसी रोहित शर्मा की सिफारिश पर हुई है. भले ही रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी हो, लेकिन बीसीसीआई के साथ उनकी बातचीत में उन्होंने दिलीप को टीम में बनाए रखने की खास तौर पर सिफारिश की. यह इंगित करता है कि रोहित का प्रभाव अब भी टीम निर्माण में बरकरार है, और कोचिंग स्टाफ में उनके सुझावों को गंभीरता से लिया जा रहा है.

मनोरंजन

बारिश की खुशबू सबसे अच्छी होती है: रश्मिका

मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को पहली बारिश की खुशबू बहुत पसंद है। वहीं एक्ट्रेस ने बारिश से होने वाली असुविधा को निराशाजनक बताया। रश्मिका ने कहा कि उन्हें पहली बारिश की खुशबू बहुत पसंद है, लेकिन उन्हें यह अच्छा नहीं लगता कि बारिश की वजह से सब कुछ धीमा हो जाता है।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर बारिश का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो पर एक लाइन लिखी है, जब बारिश होती है तो मिट्टी की खुशबू आती है। इस वीडियो को शेयर करते हुए रश्मिका ने लिखा, तो बारिश आ गई है... मुझे यह अच्छा नहीं लगता कि बारिश की वजह से सब कुछ थोड़ा धीमा हो जाता है, लेकिन कसम से! पहली बारिश की खुशबू सबसे अच्छी होती है और वह एहसास भी कमाल का होता है। यह सबसे प्यारा लगता है। लुक की बात करें तो इस दौरान वह ब्लैक कलर की खूबसूरत मॉडर्न साड़ी में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन वाला डिजाइनर ब्लाउज पहना हुआ था। इसके अलावा, गोल्डन हार्ट शेप की बालियां फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रही थीं। शानदार लुक पाने के लिए उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ था। अपने इस लुक की तस्वीरें रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, काफी समय बाद मैं फिर से रेड कार्पेट पर गई... आप सबका इतना प्यार मिल रहा है, जिससे मेरा दिल बहुत खुश है।

पूनम पांडे ने खोला घरेलू हिंसा और रिश्तों का सच

पूनम पांडे अपनी बेबाकी और विवादित बयानों के लिए मशहूर हैं। कुछ वक्त पहले उनका मौत का प्रैंक भी खूब सुर्खियां बटोर चुका है। लेकिन अब उन्होंने अपनी निजी जिंदगी की एक कड़वी सच्चाई साझा की है। पूनम ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि उनके साथ घरेलू हिंसा हुई थी और जो खबरें उनके सैम बॉम्बे से शादी की थीं, वे गलत थीं। असल में वह सैम के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थीं। एक बातचीत में पूनम ने खुलासा किया कि घरेलू हिंसा के कारण अब वह किसी रिश्ते में जाने से डर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं कभी शादीशुदा नहीं थी, मैं लिव-इन रिलेशनशिप में थी। घरेलू हिंसा की वजह से मैं अब रिलेशनशिप से डरने लगी हूं। यह बहुत डरावना अनुभव है। मैं अभी हील हो रही हूं। पूनम ने यह भी बताया कि जब सैम ने उन्हें मारा, तो पुलिस और अस्पताल तक की मदद लेनी पड़ी। उन्होंने याद करते हुए कहा, पुलिस मेरे घर आई थी और मैं बेहोश थी, उन्हें मुझे अस्पताल ले जाना पड़ा था। हालांकि मैं इन घटनाओं को ज्यादा महत्व नहीं देती, मैं अपनी जिंदगी में खुश हूं और किसी भी नायक बनने की कोशिश नहीं कर रही। अपने अब तक के अनुभवों को साझा करते हुए पूनम ने कहा कि बार-बार अस्पताल और पुलिस के चक्कर से वे थक चुकी हैं। इसलिए अब वह किसी भी नए रिश्ते में नहीं जाना चाहतीं। उन्होंने बताया, मुझे डर लगता है कि कोई मेरी खुशहाल जिंदगी खराब कर देगा। मैं पहले थेरेपी करवा रही थी, लेकिन उसे छोड़ दिया क्योंकि मैं उन बुरी यादों को फिर से नहीं देखना चाहती।

उर्फी जावेद के नए लुक ने खींचा सभी का ध्यान

बोल्ड एक्सपेरिमेंट्स के लिए मशहूर उर्फी जावेद ने पहली बार पारंपरिक सलवार-कमीज में नजर आकर सभी को चौंका दिया। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में पीच कलर की सलवार-कमीज और हल्के नीले दुपट्टे में नजर आईं उर्फी ने न सिर्फ अपने लुक से बल्कि अपने फैसले से भी सबका ध्यान खींचा। वीडियो में उर्फी ने कहा, क्या हुआ? कुछ और उम्मीद कर रहे थे? मुझे पता है तुम सोच रहे थे कि आज क्या पागलपन करने वाली हूं - फूल, पत्ते, कांच के टुकड़े, नफरत करने वालों के आंसू? मुझे पता है। इस तरह उन्होंने खुद पर होने वाली ट्रोलिंग और लोगों की अपेक्षाओं को मज़ाकिया अंदाज में उठाया, लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने बदलाव की वजह भी बताई। उर्फी ने बताया कि हाल ही में किसी खास शख्स से बातचीत ने उनकी सोच को बदल दिया। उन्होंने कहा, उसने मुझसे बात की। और पता नहीं क्या हुआ, वो मेरी सोच में घुस गया। जितना मैं पहले खुद को एक्सप्रेस करती थी, अब वो कम हो गया है। अब लगता है थोड़ा रुकूं, कुछ नया ट्राई करूं। कुछ सिंपल। अपने पोस्ट के कैप्शन में उर्फी ने लिखा, हर कोई पूछ रहा है कि मैं क्यों बदल रही हूं। अगर मैं बदलने वाली नहीं हूं तो क्या होगा? उनके इस पोस्ट पर फैंस की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। हालांकि ज्यादातर फैंस ने उनके इस नए अंदाज को सराहा है। एक यूजर ने लिखा, उर्फी का सलवार कमीज पहनना भी किसी एक्सपेरिमेंट से कम नहीं है। वहीं दूसरे ने कहा, आप हर फॉर्म में कमाल हो। उर्फी का यह बदला हुआ लुक और सोच लंबे समय तक कायम रहेगी या यह सिर्फ एक फेज़ है, जैसा उन्होंने खुद कहा।

वैभव को अपने पैर जमीन पर रखने होंगे : वॉ

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने कहा है कि 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भविष्य के सितारे हैं पर उन्हें अपने पैर जमीन में रखते हुए आत्ममुग्धता से बचना होगा। वॉ ने कहा कि वैभव के शॉट खेलने की टाइमिंग जबरदस्त है पर उन्हें अपने पर नियंत्रण बनाये रखना होगा। वॉ ने कहा कि कि वह लगातार आईपीएल नहीं देखते हैं पर उन्होंने वैभव के मैच देखे हैं जिसके आधार पर वह एक शानदार खिलाड़ नजर आता है। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले वैभव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया था। टूर्नामेंट में किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज शतक है। वॉ ने कहा, '14 साल की उम्र में उस पर कोई दबाव नहीं है। वह पूरी आजादी के साथ खेल रहा है जिसे देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि उसके सामने चुनौती केवल नियंत्रण बनाए रखने की होगी। वॉ के अनुसार एक करोड़ से अधिक का आईपीएल करार हासिल करने वाला ये खिलाड़ी 16 वर्ष की उम्र के पहले ही करोड़पति बन जाएगा।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को शूटआउट में हराया, अब चिली से होगा सामना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट में मेजबान अर्जेंटीना पर रोमांचक जीत दर्ज की। भारत के लिए गोलकीपर और कप्तान निधि ने लगातार चार गोल बचाए जिससे टीम अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराने में सफल रही। इससे पहले दोनों टीमों के बीच मैच निर्धारित समय तक 1-1 की बराबरी पर छूटा था।

कनिका (44वें मिनट) ने निर्धारित समय में भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि लालरिनपुई और लालथंतलुआंगी ने शूटआउट में गोल करके टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में भारत को जीत दिलाई। अर्जेंटीना ने अच्छी शुरुआत की। मिलग्रोस डेल वैले (10वें मिनट) ने घरेलू टीम को पहले क्वार्टर में बढ़त दिलाई, जबकि भारत ने तीसरे क्वार्टर में कनिका के गोल से स्कोर बराबर किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को चिली से होगा।

आईपीएल के पहले क्वालीफायर में जीत के साथ फाइनल में जगह बनाने उतरेंगी आरसीबी और पंजाब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मुलांपुर। आईपीएल के पहले क्वालीफायर में गुरुवार को पंजाब किंग्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। ये दोनो ही टीमें अंक तालिका में शीर्ष दो में रहीं हैं। ऐसे में इनके पास इस मैच के बाद भी खिताबी मुकाबले में जगह बनाने के लिए अवसर है। इसको देखते हुए दोनो ही टीमें निडर होकर मुकाबले में उतरेंगी। दोनो ही टीमों के 19-19 अंक हैं पर रन रेट बेहतर होने के कारण पंजाब पहले जबकि आरसीबी दूसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमों ने इस सत्र की शुरुआत से ही काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में दोनो ही जीत की प्रबल दावेदार हैं। पंजाब किंग्स की टीम करीब एक दशके बाद प्लेऑफ में पहुंची है। इससे पहले वह साल 2014 में प्लेऑफ में पहुंची थी। ऐसे में उसका लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना रहेगा। उसके कप्तान श्रेय अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग काफी अनुभवी हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। वहीं दूसरी ओर आरसीब की टीम क बार नॉकआउट चरण हारी है, इसलिए उसका लक्ष्य इस बार खिताब के सूखे को समाप्त करना रहेगा। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभीव खिलाड़ी है जिसका लाभ उसे मिलेगा।

शार्दूल ठाकुर बोले- गिल और पंत भारतीय टीम के भविष्य

शार्दूल ठाकुर ने करीब 15 महीने के बाद टेस्ट टीम में वापसी की है। उन्होंने आखिरी टेस्ट दिसंबर 2023 में खेला था। भारतीय ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर ने नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल और उपकप्तान ऋषभ पंत को भारतीय टीम का भविष्य बताया है। उन्होंने कहा- ये दोनों (गिल और पंत) बड़े खिलाड़ी हैं और भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं।

33 साल के गेंदबाज ने कहा- गिल और पंत का नेचर अलग है। गिल शांत और सीरियस स्वाभव के हैं, जबकि पंत चुलबुले स्वाभाव के हैं। यह इन दोनों की खासियत भी है। इसके अलावा, शार्दूल ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के रिटायरमेंट पर भी बात की। शार्दूल ने कहा- दोनों के आसपास रहने से सुरक्षित महसूस होता था। गिल और पंत ने बड़े मौकों पर प्रदर्शन किया है और यह उन्हें भविष्य के लिए भारत का प्रॉमिसिंग प्लेयर बनाता है। बीसीसीआई ने 24 मई को शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया था। वहीं, ऋषभ पंत इस टीम के उपकप्तान बनाए गए थे। शार्दूल ने रोहित-कोहली के रिटायरमेंट पर कहा- ड्रेसिंग रूम में सभी रोहित-कोहली को मिस करेंगे। दोनों ही टेस्ट क्रिकेट को आगे बड़ा रहे थे, लेकिन रिटायरमेंट पर्सनल कॉल होता है, जब प्लेयर सोचता है कि मैं उतना कंट्रीब्यूट नहीं कर पाऊंगा, जितना पहले करता था।

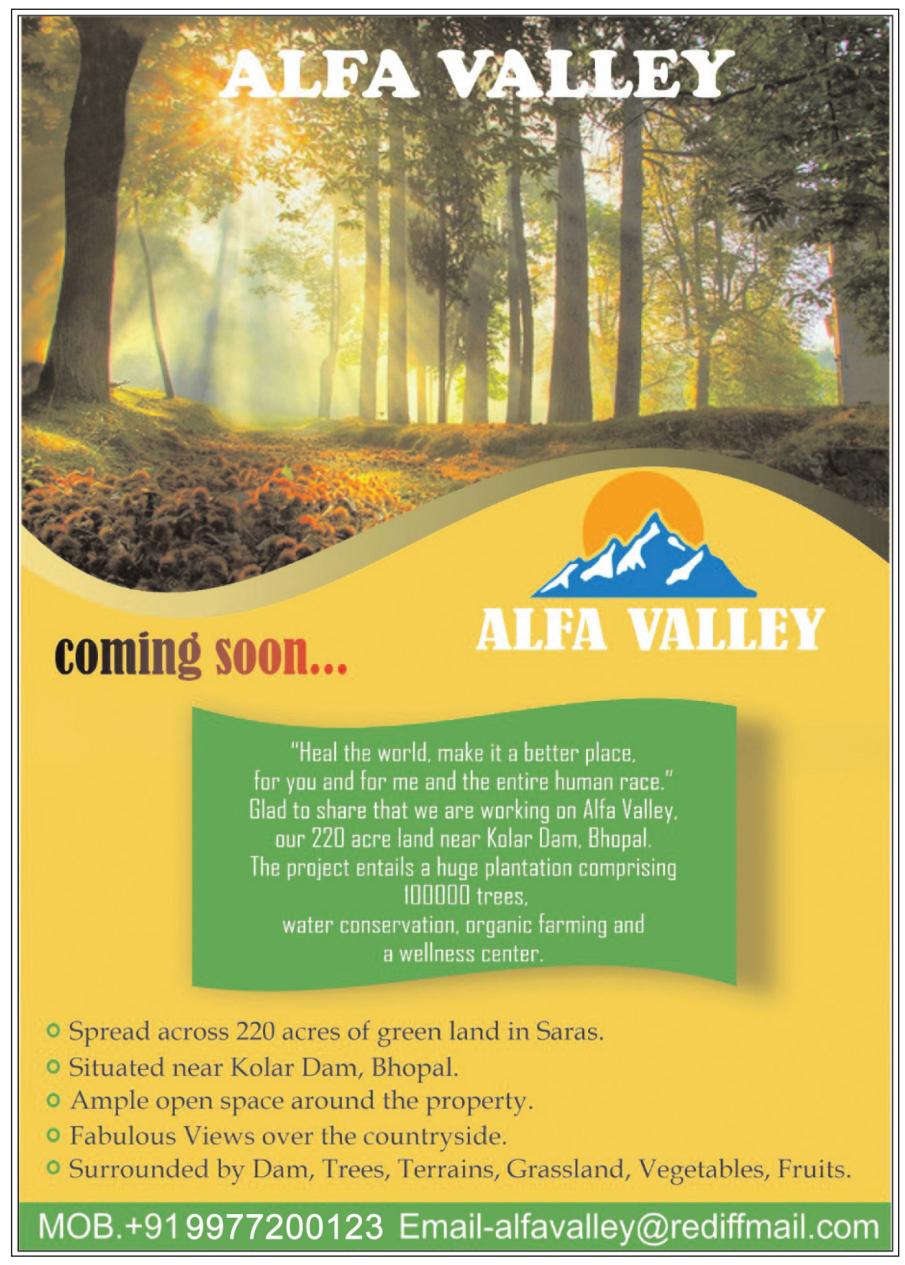

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com